दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 140/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 24 दिसंबर 2022 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

फिर महंगा हुआ सांची दूध

भोपाल। मध्य प्रदेश में सांची दुग्ध संघ ने एक बार फिर दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। प्रति लीटर 2 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। भोपाल, इंदौर और जबलपुर में 25 दिसंबर से नए रेट लागू होंगे, बता दें कि खुले दूध के बाद सांची दूध की प्रदेश में सबसे ज्यादा खपत होती है। भोपाल में पैकेट वाले दूध में सबसे ज्यादा बिक्री सांची की होती है। रोजाना करीब तीन लाख लीटर दूध बिकता है। अमूल की खपत 65 हजार लीटर है।

सांध्य प्रकाश विशेष

एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे की हुई मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की. शिंदे ने ट्वीट किया कि उन्होंने राज्य विधानसभा परिसर में मनसे विधायक राजू पाटिल के साथ ठाकरे से मुलाकात की। राज ठाकरे नागपुर के दौरे पर हैं. चूंकि राज्य विधानमंडल का सत्र चल रहा है इसलिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित सभी सरकार और विपक्ष पहले से ही नागपुर में हैं। राज ठाकरे के आज रात देवेंद्र फडणवीस से मिलने की भी संभावना है। इसलिए इन मुलाकातों को लेकर राजनीतिक गलियारे में जोरदार चर्चा है। एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे के बीच बंद कमरे में बातचीत हुई थी। इस चर्चा का पर्याप्त विवरण सामने नहीं आया है. मुलाकात से पहले दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का स्वागत किया।

आईएएस मनोहर अगनानी प्राइवेट सेक्टर में अपनी सेवाएं देंगे?

नई दिल्ली। नई दिल्ली के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों यह चर्चा जोरों पर है कि आईएएस अधिकारी डॉ मनोहर अगनानी जल्दी ही किसी प्राइवेट सेक्टर में अपनी सेवाएं दे सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में एडीशनल सेक्रेटरी डा मनोहर अगनानी 1993 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के अधिकारी हैं। उन्होंने हाल ही में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है जो 6 जनवरी 2023 से प्रभावी होगी।

बता दे कि मनोहर अगनानी अगस्त 2024 में रिटायर होने वाले थे लेकिन उन्होंने पौने दो साल पहले ही वीआरएस ले लिया। माना जा रहा है कि डॉक्टर मनोहर अगनानी स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित किसी प्राइवेट सेक्टर से जल्द ही जुड़ने वाले हैं। वे किस संस्थान में किस रूप में जुड़ेंगे, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। लेकिन उनके वीआरएस लेने का कारण यही बताया जा रहा है।

प्रधानमंत्री स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट संस्थान के अमृत महोत्सव को संबोधित किया

खोज और शोध भारत की जीवन पद्धति का हिस्सा थे: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट संस्थान के 75वें 'अमृत महोत्सव' को वीडियो का कांन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कई अहम मुद्दों पर चर्चा कीं। पीएम मोदी ने स्वामीनारायण गुरुकुल के 75 वर्षों की यात्रा पूरी होने के अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि देश आजाद होने के बाद हम पर जिम्मेदारी थी कि शिक्षा के क्षेत्र में हम अपने प्राचीन वैभव और महान गौरव को पुनर्जीवित करें। स्वामीनारायण गुरुकुल इसी गौरव का उत्कृष्ट उदहारण है।

श्री स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट की यात्रा के 75 वर्ष ऐसे कालखंड में पूरे हो रहे हैं, जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष मना रहा है। इस गुरुकुल ने छात्रों के मन-मस्तिष्क को अच्छे विचारों और मूल्यों से सींचा है, ताकि उनका समग्र विकास हो सके। जिस कालखंड में दुनिया के दूसरे देशों की पहचान वहां के राज्यों और राज-कुलों से होती थी, तब भारत को भारतभूमि के गुरुकुलों से पहचाना जाता था। खोज और शोध भारत की जीवन पद्धति का हिस्सा थे। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय हमारी गुरुकुल परंपरा के वैश्विक वैभव के पर्याय हुआ करते थे।

जब विश्व में लैंगिक समानता जैसे शब्दों का जन्म भी नहीं हुआ था उस समय हमारे यहां गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियां शास्त्रार्थ कर रही थीं। महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आत्रेयी भी पढ़ रही थीं। मुझे खुशी है कि स्वामीनारायण गुरुकुल इस पुरातन परंपरा को, आधुनिक भारत को आगे बढ़ाने के लिए 'कन्या गुरुकुल' की शुरुआत कर रहा है। मैं इसके लिए आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

107 दिन में तीन हजार किमी चलकर दिल्ली पहुंचे राहुल, सोनिया-प्रियंका भी साथ

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार को दिल्ली पहुंच गई है। कन्याकुमारी से चलकर राहुल ने पिछले 107 दिन में तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय की है। दिल्ली में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी राहुल की यात्रा में शामिल हो गई हैं। राहुल की यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बड़ी भीड़ पहुंची है। इस वजह से दिल्ली पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा जगह ट्रैफिक डायवर्ट किया है। वहीं, बदरपुर बॉर्डर से

लाल किले तक हैवी ट्रैफिक रहने की संभावना जताई है। दिल्ली कांग्रेस के मुताबिक, यात्रा शनिवार को 23 किमी का सफर तय करके शाम साढ़े चार बजे लाल किले पर समाप्त होगी। इसके बाद यात्रा में 9 दिन का ब्रेक रहेगा।

आपके नफरत के बाजार में प्यार की दुकान खोलने आए हैं: राहुल

भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में प्रवेश करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि कुछ लोग नफरत फैला रहे हैं लेकिन देश का आम आदमी अब प्यार की बात कर रहा है. हर राज्य में लाखों लोग यात्रा में शामिल हुए हैं। मैंने आरएसएस-बीजेपी के लोगों से कहा है कि हम यहां आपके नफरत के बाजार में प्यार की दुकान खोलने आए हैं। बीजेपी नफरत फैलाती हैं, हम प्यार फैलाते हैं। हम सभी भारतीयों को गले लगाते हैं। हर भारतीय को देश में प्यार फैलाने के लिए एक छोटी सी दुकान खोलनी चाहिए। भारत जोड़ो यात्रा में कहीं नफरत नहीं है। इस यात्रा में कोई गिरता है तो सब लोग उसको उठा देते हैं। मदद करते हैं सभी, यही सच्चा हिंदुस्तान है। आप किसी से भी पूछिए कि क्या इस यात्रा में किसी से धर्म पूछा गया? अमीर और गरीब का अंतर किया गया? तो जवाब मिलेगा- नहीं। इस यात्रा में सिर्फ मोहब्बत है।

एंबुलेंस को दिया रास्ता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए अपोलो अस्पताल के पास अपनी भारत जोड़ो यात्रा रोक दी। एंबुलेंस को निकलवाने के लिए वह कुछ देर रुके। उन्होंने साथी यात्रियों से एंबुलेंस को रास्ता देने को भी कहा। राजधानी में अपोलो अस्पताल के पास सुबह करीब साढ़े आठ बजे एक एंबुलेंस आई थी।

2 जनवरी तक विराम पर होगी यात्रा

भारत जोड़ो यात्रा शनिवार रात से 9 दिन के रेस्ट पर रहेगी। 3 जनवरी को गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर से उत्तर प्रदेश में यात्रा की एंट्री होगी। 4 जनवरी को बागपत, 5 जनवरी को शामली और 6 जनवरी को कैराना से होकर राहुल की यात्रा दूसरे चरण में हरियाणा के सोनीपत में एंट्री करेगी। हरियाणा के बाद यात्रा पंजाब होते हुए जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना होगी।

सागर में कांग्रेस को तगड़ा झटका, पूर्व विधायक बृज बिहारी पटैरिया भाजपा में शामिल

भोपाल। प्रदेश में कांग्रेस को शनिवार को करारा झटका लगा है। कांग्रेस में बुंदेलखंड अंचल के प्रमुख नेता और पूर्व विधायक बृज बिहारी पटैरिया ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। सागर के देवरी से विधायक रहे बृज बिहारी पटैरिया को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पार्टी की सदस्?यता दिलाई। पटैरिया शनिवार सुबह सीएम आवास पहुंचे और भाजपा की सदस्?यता ली। इस अवसर पर प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री और सागर की खुरई सीट से विधायक भूपेंद्र सिंह भी उनके साथ थे। गौरतलब है कि बृज बिहारी पटैरिया 1998 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री शिवराज पुडुचेरी में मनाएंगे नववर्ष

शिर्डी में सांई के दर्शन कर लौटेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान नववर्ष की अगवानी पुडुचेरी में करेंगे। वे सपरिवार 28 दिसंबर को पुडुचेरी रवाना होंगे और दो जनवरी 2023 को शिर्डी में सांई बाबा के दर्शन करते हुए राजधानी भोपाल पहुंचेंगे।

शारदा पीठ के स्वामी से मिले शिवराज

विशाखा श्री शारदा पीठ के स्वात्मानंदेन्द्र सरस्वती महास्वामी शनिवार को भोपाल पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। सीएम शिवराज ने अपने आवास पर उनका स्वागत किया। चौहान ने महास्वामी को माल्यार्पण किया। अंगवस्त्रम, श्रीफल एवं आदिशंकराचार्य का चित्र भी भेंट किया।

हाईकोर्ट ने नाबालिग बेटी को पिता को लिवर दान की अनुमति दी

तिरुवनंतपुरम। एक नाबालिग लड़की (17) को हाई कोर्ट ने प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए अपने पिता को अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने की अनुमति दी। कोर्ट ने यह भी कहा कि माँ-बाप धन्य है जिनके पास ऐसी बेटी है। न्यायमूर्ति वीजी अरुण की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यह आदेश 1994 के मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण अधिनियम की अन्य आवश्यकताओं के अधीन होगा।

हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता अपने पिता को बचाने के लिए जो लड़ाई लड़ रही है, उसे देखकर खुशी हुई। याचिकाकर्ता ने अदालत से अपने लीवर का एक हिस्सा अपने पिता को देने की अनुमति मांगी, जो गैर-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग सहित विभिन्न यकृत रोगों से पीड़ित हैं।

रोगी के सभी निकट संबंधियों में से केवल उसकी बेटी ही एक व्यवहार्य मैच थी। लेकिन, बेटी अपना लिवर दान करने में असमर्थ थी क्योंकि नाबालिग मानव अंग और ऊतक अधिनियम के तहत अंग दान नहीं कर सकती थी। इसलिए, याचिका दायर की गई थी जिसमें याचिकाकर्ता को अपना लिवर दान करने की अनुमति देने और अस्पताल को सर्जरी करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

इससे पहले हाईकोर्ट ने समुचित प्राधिकार को याचिकाकर्ता को सुनने और अपना फैसला सुनाने का निर्देश दिया था। प्राधिकरण ने कहा कि रोगी एक चिकित्सीय विकल्प के रूप में लीवर प्रत्यारोपण के लिए योग्य नहीं है इसलिए याचिकाकर्ता द्वारा अपना लीवर दान करने का सवाल ही नहीं उठता है।

याचिकाकर्ता का तर्क है कि प्राधिकरण का निर्णय स्पष्ट रूप से अवैध है। क्योंकि, याचिकाकर्ता की दान करने की क्षमता पर विचार किए बिना निर्णय लिया गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने यह भी बताया कि विशेषज्ञों की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, रोगी के पास एकमात्र इलाज जीवित यकृत प्रत्यारोपण है।

कार और ट्रक की भिड़ंत में 4 की मौत

मुलताई। मुलताई-बैतूल हाईवे पर शुक्रवार देर रात कार और ट्रक की भीषण भिड़ंत हो गई। कार सवार मां-बेटी सहित 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, 1 ने बाद में दम तोड़ दिया। दुर्घटना मुलताई में रिलायंस पेट्रोल पंप के पास रात 1 बजे हुई।

संजीवनी 108 के ईएमटी डॉक्टर महेश झलिये ने बताया कि कार ड्राइवर को गंभीर हालत में नागपुर रेफर किया गया है। कार ड्राइवर ने भी बाद में दम तोड़ दिया। कार पूरी तरह से पिचक गई। ड्राइवर कार में बुरी तरह फंसा हुआ था। उसे पुलिस कर्मियों की सहायता से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद निकाला जा सका।

पुलिस ने बताया कि ट्रक रॉन्ग साइड से बैतूल की ओर जा रहा था। ट्रक ने बैतूल से मुलताई की ओर आ रही कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में जान गंवाने वाले तीन लोगों के शव मुलताई के सरकारी अस्पताल में लाए गए हैं। इनमें दो महिलाएं और एक पुरुष है।

हादसे में कार चला रहे संजीवकांत भगत (48) निवासी झारखंड गंभीर घायल थे। उनकी भी मौत हो गई। वे काला आखर (इटारसी, होशंगाबाद) में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर पदस्थ थे। दूसरे मृतक की पहचान रेलकर्मी राजकुमार सिसोदिया (32) निवासी भौरा के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं मुलताई के गांव डहुआ की रहने वाली मां-बेटी थीं। उर्मिला बारंगे (52 साल) और उनकी बेटी शीतल बारंगे (35 साल) इलाज कराने के लिए बैतूल गई थीं। शीतल के पति भी रेलवे में कार्यरत हैं।

1992 बैच के 8 आईएएस अधिकारी चीफ सेक्रेट्री वेतनमान में पदोन्नत

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1992 बैच के 8 अधिकारियों को तमिलनाडु सरकार ने चीफ सेक्रेटरी वेतनमान में पदोन्नत किया है।

इसके लिए तमिलनाडु सरकार ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पद के 8 नए पदों का सृजन किया। इन अधिकारियों को चीफ सेक्रेटरी ग्रेड प्रदान कर एडीशनल चीफ सेक्रेट्री के रूप में विभिन्न विभागों में पदस्थ किया है। ये अधिकारी हैं- डॉ जे राधाकृष्णन, डॉ राजेंद्र कुमार, डॉ नीरज मित्तल, राजेश लखोनी, मंगतराम शर्मा, प्रदीप यादव, कुमार जयंत और डॉ के गोपाल।

शीतलहर की चपेट में उत्तर भारत, कई राज्यों में छाया कोहरा

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से उत्तर भारत के कई राज्य शीतलहर की चपेट में है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले दो दिनों तक पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में कोहरे की संभावना है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में दो से तीन दिनों तक सुबह और शाम को घना कोहरा छाए रहने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर पश्चिमी मैदानी इलाकों के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच है।

पंजाब के कई हिस्सों और हरियाणा के कुछ हिस्सों में सर्दी काफी बढ़ गई है। उत्तरी राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर की

स्थिति बनी हुई है। अगले कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरी राजस्थान, बिहार और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और त्रिपुरा जैसे पूर्वी राज्यों में भी सुबह और रात के समय घना कोहरा छाने की संभावना है। ढ्ढरूष्ठ का भी कहना है कि पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में शीतलहर की स्थिति गंभीर होने की संभावना है।

तमिलनाडु और केरल में हो सकती है बारिश

वहीं दक्षिण भारत की बात की जाए तो तमिलनाडु और केरल सहित देश के दक्षिणी राज्यों में कई स्थानों पर हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में सर्द हवा चल रही है। दिल्ली में शनिवार को हवा की रफ्तार बढ़ सकती है, जिससे कोहरे में कमी आएगी।

कोरोना: चीन समेत 5 देशों से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी पीसीआर जरूरी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार अलर्ट पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि चीन, जापान, साउथ कोरिया, हांगकांग और थाईलैंड से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी पीसीआर टेस्ट जरूरी होगा। यदि इन देशों के किसी भी यात्री में कोविड-19 के लक्षण पाए जाते हैं या टेस्ट पॉजिटिव पाया जाता है तो इन लोगों को क्वारैंटाइन किया जाएगा।

पिछले 24 घंटों में 201 नए केस– देश में पिछले 24 घंटों में 201 नए कोरोना केस सामने आए हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारत में एक्टिव मामले 3,397 हैं, जो कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है। रिकवरी रेट फिलहाल 98.8प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में 183 लोग ठीक हुए हैं, जिससे ठीक होने वालों की कुल संख्या 4,41,42,791 हो गई है।

गांधी नगर अब्बास नगर मार्ग को मिली शहीद भगत सिंह मार्ग की पहचान

विधायक रामेश्वर शर्मा ने शहीद भगत सिंह मार्ग के नाम से किया लोकापर्ण

संत हिरदाराम नगर। हुजूर विधानसभा में लगातार एक के बाद एक विकास कार्यों के बाद शुक्रवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने वार्ड क्रमांक 1 में गांधी नगर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कई मार्गों के लोकार्पण के साथ कई स्थानों का निरीक्षण भी किया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग को भी पूरा किया। दरअसल गांधीनगर क्षेत्र के लोगों की मांग थी कि अब्बास नगर मार्ग का नाम बदलकर शहीद भगत सिंह मार्ग किया जाए। स्थानीय लोगों की मांग के अनुरूप शुक्रवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने अब्बास नगर मार्ग का नाम बदलकर शहीद भगतसिंह मार्ग कर दिया और नवीन नाम के साथ मार्ग का लोकार्पण भी किया।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने दौरे के दौरान नवीन नामित शहीद भगत सिंह मार्ग का लोकार्पण के साथ ही हरिओम बस्ती में रोड का लोकार्पण, भगत सिंह नगर में निगम की निर्माणाधीन दुकानों का निरीक्षण, बजरंग दशहरा मैदान में मिनी स्टेडियम का निरीक्षण, संत रविदास सब्जी मंडी का निरीक्षण, झूलेलाल मार्केट में सड़क का निरीक्षण व बस स्टैंड एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया।

शहीद भगत सिंह मार्ग, शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि का प्रतीक: शहीद भगत सिंह मार्ग का लोकार्पण करने पहुंचे विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि मैं जब भी क्षेत्र के दौरे पर आता था तो लोगों की कई सारी मांगों को सुनता था। उनमें एक मांग जो हमेशा उठती थी वह थी अब्बास नगर मार्ग का नाम बदलाना। जनता का सेवक होने के नाते मेरा कर्तव्य है कि मैं उनकी मांगों को पूरा करूं। इसलिए गांधी नगर स्थित अब्बास नगर मार्ग का नाम बदलकर शहीद भगत सिंह मार्ग किया गया। शहीद भगत सिंह के नाम पर मार्ग के नामकरण का एक उद्देश्य यह भी है कि न सिर्फ वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ी भी इन नामों की महिमा को समझते हुए देश के लिए प्राणार्पण करने वाले बलिदानियों के महत्व को समझे और हमारे गौरवशाली अतीत पर गर्व करे। यह मार्ग क्षेत्रवासियों की ओर से भगत सिंह सहित सभी शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

झूलेलाल मार्केट में सड़क निर्माण कार्य का अवलोकन किया: विधायक रामेश्वर शर्मा ने झूलेलाल मार्केट में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का भी अवलोकन किया। यह सड़क मार्केट के व्यापारियों के आवागमन में होने वाली परेशानियों को दूर करेगी। इस दौरान सड़क निर्माण कार्य से खुश मार्केट के व्यापारियों ने विधायक शर्मा का स्वागत किया

ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पहुंचे वेयर हाउस

भोपाल। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं उनकी प्रदेश व जिला कार्यकारिणी की टीम जिला रायसेन के अंतर्गत आने वाले ग्राम सगोनिया स्थित वेयरहाउस,ग्राम गूगलवाडा स्थित वेयरहाउस,ग्राम धांधला स्थित वेयरहाउस,बाडी स्थित वेयरहाउस का निरीक्षण किया। महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ओबीसी तुलसीराम पटेल एवं प्रदेश कार्यकारी युवा अध्यक्ष ओबीसी नेमसिंह चौहान के पास सम्बंधित वेयरहाउसों से लगातार किसानों के फोन काल आ रहे थे। पटेल ने मामले को संज्ञान में लेते हुए अपनी महासभा परिवार के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक पटेल,जिला उपाध्यक्ष सुनील चौहान,शिवम चौहान मानवाधिकार संगठन के सक्रिय समाजसेवी, महासभा परिवार के एसटी एससी संयुक्त मोर्चा से खुमान वंशकार,अनिल वंशकार, धर्मेंद्र वंशकार अन्य लोगों के साथ सम्बंधित वेयरहाउस हाऊसों का ओचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली पर चर्चा की एवं उपस्थित किसानों से बात कर धान तुलाई मे आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर जिला रायसेन कलेक्टर से सुव्यवस्थित तुलाई करवाने की मांग की।

जैक एंड जिल फाउंडेशन स्कूल का वार्षिक उत्सव आज

भोपाल। अरेरा कॉलोनी बीजेपी कार्यालय समीप स्थित जैक एंड जिल फाउंडेशन स्कूल का वार्षिक उत्सव रविंद्र भवन में आयोजित किया जा रहा है जैक एंड जिल की संस्थापक ने बताया कि 1998 से शुरू हुआ जय फाउंडेशन स्कूल आज अपने सफलतम 25 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

भोजन वितरण कर मनाई शादी की साल गिरह

भोपाल। बचपन से ही गुरुद्वारों में सेवा के संस्कार मिले और बुजुर्गों का आशीर्वाद रहा इसलिए समाज सेवा कर सका लायंस डिस्ट्रिक्ट वाइस प्रेसिडेंट बी के जौहर ने आज अपनी शादी की सालगिरह खुशीलाल मेडिकल हॉस्पिटल पर पर भोजन वितरण कर मनाई।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने लहराया परचम

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के साथ संयुक्त तत्वावधान में एक अंतराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। जिसका विषय 'रोडमैप टू कॉर्पोरेट वर्ल्ड' था। विषय विशेषज्ञ उमा शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि कॉर्पोरेट क्षेत्र में रोजगार ढूढ़ने से पहले छात्राओं को स्वयं को उसके लिए प्रशिक्षित करना होगा। विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्सेस जैसे गूगल आईटी प्रोफेशनल सर्टिफिकेट का प्रशिक्षण प्राप्त करें और ऑनलाईन कोडिंग चैलेंज और हैकेथॉन में अपनी सहभागिता दे। उन्होंने कैंपस प्लेसमेंट के विभिन्न चरणों को समझाया।

जनपद पंचायत फंदा की बैठक में जनप्रतिनिधियों को गुमराह करने के आरोप, सदस्यों ने किया हंगामा

पीएचई विभाग के खिलाफ निंदा प्रस्ताव की सदस्यों ने अध्यक्ष से की मांग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जनपद पंचायत फंदा के सभागार में साधारण सभा की बैठक अध्यक्ष प्रमोद राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। फंदा जनपद सीईओ शंकरलाल नामदेव पांसे ने एजेंडा रखते हुए बिंदुओं पर चर्चा की पीएचई विभाग की समीक्षा करते हुए सभी सदस्यों ने आपत्ति की कि पीएचई विभाग के अधिकारियों के द्वारा जनप्रतिनिधियों को कार्य की सही जानकारी नहीं देते हैं और पीएचई विभाग के द्वारा क्षेत्र में घटिया कार्य किया जा रहा है । सभी सदस्यों ने एक स्वर में खड़े होकर जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत से पीएचई विभाग के अधिकारियों के प्रति निंदा प्रस्ताव रखने की मांग की। सभी सदस्यों को अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने शांत कराते हुए बैठाया और पीएचई विभाग को समझाते हुए कहा कि कार्य गुणवत्ता ठीक तरह से करें और जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर क्षेत्र में कार्य करें आइंदा ऐसा हुआ तो अगली बैठक में निंदा प्रस्ताव पास किया जाएगा। उपाध्यक्ष मलखान सिंह ठाकुर ने सदन में कहा कि पीएचई विभाग के द्वारा बगैर जनप्रतिनिधि की राय लिए बोर लगाए जा रहे हैं जिनमें पानी नहीं है ग्राम पंचायत अचारपुरा के गांव हजाम पुरा पठार में पानी की टंकी का निर्माण किया गया है लेकिन वहां पर पीने के लिए पानी की व्यवस्था नहीं है विभाग पहले पानी उपलब्ध कराएं फिर टंकी का निर्माण करें पीएचई विभाग की लापरवाही के कारण सरकार के बड़ी योजनाओं को पलीता लग रहे है, क्षेत्र में पीएचई विभाग के लोगों से विश्वास उठता जा रहा है अधिकारी कर्मचारियों के व्यवहार के प्रति उपाध्यक्ष मलखान सिंह ठाकुर ने दुख व्यक्त किया है। जनपद सीईओ ने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों के सम्मान को रखते हुए उनके द्वारा बताए गए कार्यों को गंभीरता से लें। जनपद सदस्य राहुल मंडलोई ने अपने वार्ड के गांव में स्कूल आंगनबाड़ी केंद्रों में पीने के पानी सीसी रोड का मुद्दा उठाया ।बैठक में शिक्षा, पीएचई, सहकारिता, उद्योग, कृषि, स्वास्थ, मत्स्य पालन, पशुपालन, वन विभाग, पीडब्ल्यूडी आदि विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

स्कूलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया संत सिद्धभाऊ का 70वां जन्मोत्सव

छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी, सुंदर ग्रीटिंग कार्ड्स किए प्रेषित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम साहिब के उत्तराधिकारी संत सिद्ध भाऊ का 70वां जन्मोत्सव उपनगर के स्कूलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहीद हेमू कालानी शिक्षण संस्थान के मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल और नवनिध स्कूल में अनेक मनमोहक एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सिद्ध भाऊ की शिक्षाओं और संदेशों को सुंदर तरीके से दिखाया गया। नवनिध स्कूल में विद्यालय की शिक्षिकाओं, ऑफिस स्टाफ एवं सहायक कर्मचारियों ने भी सुंदर ग्रीटिंग कार्ड्स बनाकर सिद्ध भाऊ के प्रति अपने आदर, सम्मान एवं जन्मदिन की शुभकामनाएँ प्रेषित की। संस्था के सचिव ए.सी. साधवानी, संस्था के एकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, संस्था के प्रशासनिक अधिकारी भगवान बाबानी ने असीम शुभकामनाएँ संप्रेषित करते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं प्रसन्न जीवन की मंगल कामना की। इधर, कला लक्ष्मणदास वेंसीमल गनवानी फाउंडेशन स्कूल एवं केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल में भी संत सिद्ध भाऊ का जन्मोत्सव हर्ष उल्लास से मनाया गया। स्कूल में गीत संगीत तथा विद्यार्थियों द्वारा किए गए नृत्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। नन्हें मुन्नों के द्वारा किए गए नृत्य ने सभी का मनमोह लिया। इधर, सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी आडिटोरियम में संत सिद्ध भाऊ का 70वां जन्म दिवस बड़े उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया।

गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर युवाओं ने बलिदान पर आधारित फिल्म देखी

संत हिरदाराम नगर। गुरु गोविंद सिंह की जयंती के अवसर पर गुरु नानक मंडल के तत्वधान में भावपूर्ण वातावरण में युवाओं ने धर्म के लिए बलिदान करने वाले गुरु गोविंद सिंह के त्याग तपस्या बलिदान को 4 सहजादे फिल्म के माध्यम से देखा और श्रद्धा पूर्वक नमन किया। मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने धर्म के प्रति गुरु गोविंद सिंह के त्याग तपस्या बलिदान से हम सब देशवासियों को सीख लेने की आवश्यकता है हम अपने देश धर्म के लिए हर प्रकार का बलिदान योगदान करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए उपाध्यक्ष भगवानदास ढालिया ने गुरु गोविंद सिंह के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धा पूर्वक नमन किया।

महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का ग्रुप हर बार करता है कुछ नया

भोपाल। महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का वह ग्रुप है जो हर बार कुछ नया करती हैं इस बार रिक्रेशनल क्रिकेट मैच आईपीसी ग्राउंड में आयोजित किया। जिसमें एक टाइम पर 3 खिलाड़ी खेलते हैं, 20 ओवरों का ये मैच खेला गया। ग्रुप की फाउंडर अनामिका रावत इस नई थीम पर काम किया और इस मैच का आयोजन किया। मैच में चंचल, सरला, सोनिया, कंचन, ममता, प्रीति ताबे, रमा, प्रीति दुबे, शमा, दीप्ति, सविता, सुनीता, सबा, किरण, मुस्कान खेले और विधायक आरीफ मसूद द्वारा सभी को पुरस्कृत किया गया।

राजधानी में अहिरवार समाज का वार्षिक सम्मेलन कल

भोपाल। अहिरवार समाज संघ के तत्वधान में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अहिरवार समाज का वार्षिक सम्मेलन होने जा रहा है समन्वय भवन टीटी नगर भोपाल मैं सम्मेलन में विशेष रूप से उपस्थित मध्य प्रदेश में कैबिनेट मंत्री स्वास्थ्य विभाग डॉक्टर प्रोग्राम चौधरी नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जेएन कंसोटिया आई एस पूर्व मंडी बोर्ड अध्यक्ष नर्मदा पुरम रमेश बामने पूर्व राज्य मंत्री सुरेंद्र चौधरी रैगांव विधायक कल्पना वर्मा जीएवं प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ संगीता गोलिया जीसमाज कार्यक्रम आएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश कुमार अहिरवार प्रदेश अध्यक्ष अहिरवार समाज संघ मध्यप्रदेश करेंगे।

ग्वालियर गौरव दिवस का कार्यक्रम भव्य और बेहतर हो : शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर गौरव दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में विभिन्न शहरों के गौरव दिवस मनाए जाने का कार्यक्रम अभूतपूर्व हो रहा है। सागर, इन्दौर, देवास, दतिया आदि शहरों में गौरव दिवस कार्यक्रम बेहतर तरीके से आयोजित हुए हैं। इसी तरह ग्वालियर का गौरव दिवस भी अभूतपूर्व तरीके से और पूरी तैयारियों के साथ भव्य और बेहतर आयोजित हो। मुख्यमंत्री चौहान निवास पर 25 दिसम्बर को ग्वालियर में होने वाले गौरव दिवस की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में जन-प्रतिनिधि, ग्वालियर कलेक्टर सहित अधिकारी वर्चुअल शामिल हुए।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कार्यक्रम स्थल महाराज बाड़ा पर अधिक से अधिक संख्या में पूरे ग्वालियर के लोग एकत्रित हों। अटल जी हम सबके श्रद्धेय हैं, इसलिए ग्वालियर गौरव दिवस पर अटली जी को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में आएं। अलग-अलग वर्ग, संगठन और व्यवसायों से जुड़े लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहें। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि ग्वालियर गौरव दिवस का कार्यक्रम बहुत बेहतर हो। सुव्यवस्थित कार्यक्रम की तैयारी समय पर पूर्ण कर ली जाए। पूरे ग्वालियर को दुल्हन की तरह सजाया जाए। लोग अपने घरों पर रोशनी करें और दीपक जलाएं। कलेक्टर ग्वालियर ने बताया कि महाराज बाड़ा पर होने वाले ग्वालियर गौरव दिवस कार्यक्रम में लोग उल्लास रैली निकालते हुए पहुंचेंगे। इस अवसर पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों को ग्वालियर गौरव सम्मान भी प्रदान किए जाएंगे।

ग्वालियर गौरव दिवस के रूप में मनेगा अटल जी का जन्म-दिन: भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री एवं ग्वालियर के लाड़ले सपूत श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म-दिवस ग्वालियर गौरव दिवस के रूप में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। अटल जी के जन्म-दिवस 25 दिसम्बर को शहर के हृदय स्थल महाराज बाड़ा पर गौरव दिवस में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में भव्य आयोजन होगा। गौरव दिवस के आयोजन में विश्व विख्यात सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खां एवं उनके सुपुत्र अमान अली और अयान अली की प्रस्तुतियाँ होगी। साथ ही भजन साम्राज्ञी सुअनुराधा पोडवाल एवं उनके साथ सारेगामा फेम कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भी होगी। गौरव दिवस पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी होगा। समारोह में विख्यात राष्ट्रीय कवि हरिओम पवार को अटल सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। साथ ही 5 विभिन्न विधाओं में ग्वालियर गौरव सम्मान प्रदान किए जाएँगे।

गौरव दिवस में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह और सांसद विवेक नारायण शेजवलकर सहित अन्य जन-प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

ग्वालियर गौरव दिवस के आयोजन में श्रद्धेय अटलजी एवं ग्वालियर पर केन्द्रित डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई जायेंगीं। इसमें अटल जी की गौरवमयी जीवनगाथा के साथ ग्वालियर के ऐतिहासिक वैभव और ग्वालियर के सुनियोजित विकास में जुड़ने जा रहे आयामों को प्रदर्शित किया जायेगा। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्वालियर गौरव दिवस को पूरी भव्यता एवं सुव्यवस्थित रूप से करने जिला आपदा प्रबंधन समिति, अन्य जन-प्रतिनिधि और अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर सुझाव लिए। साथ ही आयोजन की सभी व्यवस्थाओं को पूरी गरिमा के साथ जल्द से जल्द अंजाम देने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में शिरकत करेगें देश के प्रख्यात कवि: अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रख्यात कवियों द्वारा काव्यपाठ किया जाएगा। इसमें डॉ. हरिओम पवार मेरठ, विनीत चौहान अलवर, डॉ. प्रवीण शुक्ल दिल्ली, सुपूनम वर्मा मथुरा, दिनेश रघुवंशी फरीदाबाद, सुअंजुम रहबर भोपाल, दिनेश मिश्रा मुंबई, शशीकांत यादव देवास, मदनमोहन दानिश ग्वालियर एवं तेजनारायण बेचैन काव्यपाठ करेंगे।

कोरोना की रोकथाम की पूरी तैयारी रखी जाए

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना बढ़ने की अभी पहले जैसी कोई बात नहीं है, फिर भी अस्पतालों में तैयारी पूरी रखी जाए। जिन लोगों ने बूस्टर डोज नहीं लगवाया है, उन्हें बूस्टर डोज लगाना शुरू करें। मुख्यमंत्री चौहान आज निवास पर कोविड-19 से बचाव के लिए तैयारी बैठक ले रहे थे। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कोरोना से सावधान रहें। कोरोना के उपचार के लिए अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाएँ। मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट की मॉकड्रिल करा ली जाए। प्लांट चालू हालत में रहें यह सुनिश्चित किया जाए। जिन व्यक्तियों ने वैक्सीन का तीसरा डोज (बूस्टर) नहीं लगवाया है, उन्हें डोज लगाया जाए।

राष्ट्रीय ईसाई महासंघ का प्रतिनिधि मंडल भोपाल कमिश्नर से मिला

भोपाल। फादर डॉ. आनंद मुतुंगल के नेतृत्व में राष्ट्रीय ईसाई महासंघ के प्रतिनिधि मंडल भोपाल कमिश्नर से मुलाकात कर 25 दिसंबर क्रिसमस के त्यौहार से जुड़े सुरक्षा संबन्धी मामलों के बारे में चर्चा की। राष्ट्रीय ईसाई महासंघ के रिचर्ड जेम्स, प्रदेश प्रवक्ता एवं जनसंपर्क अधिकारी ने कहा की 25 दिसम्बर क्रिसमस पर 24 दिसम्बर की रात 10 बजे से एवं 25 दिसम्बर को सुबह से विभिन्न चर्चों एवं घरों में भी प्रार्थनाएं होती है। पुलिस आयुक्त से आग्रह किया कि सभी थानों को निर्देशित करें कि अपने थाना क्षेत्र में स्थित चर्चों एवं आराधना स्थलों को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराएं। प्रतिनिधि मंडल के सदस्य पास्टर बीजू वर्गीस ने कहा कि भोपाल में हाली ही में हुए धर्मांतरण के झूठे मामलों पर भी चर्चा की। पुलिस आयुक्त ने आश्वासन दिया की पुलिस उचित सुरक्षा प्रदान करेगी। प्रतिनिधि मंडल में शीला सेंटिआगो , दानिएल जॉन, बिबित बाबू, सतिष आनंद, पास्टर मनोज, पास्टर मोहित मसि, पास्टर मोनसी, पास्टर अजय डेविस सहित कई अन्य लोग भी शामिल थे।

चतुर्वेदी समाज की जंगल कैंप में पिकनिक कल

भोपाल। श्री माथुर चतुर्वेदी समाज भोपाल की पिकनिक केरवा इको पर्यटन केंद्र स्थित जंगल कैंप में रविवार 25 दिसंबर को आयोजित की गई है। कोरोना काल के बाद समाज का यह पहला बड़ा आयोजन है। श्री माथुर चतुर्वेदी शाखा सभा भोपाल के अध्यक्ष सुमंत चतुर्वेदी ने बताया कि सुबह 9:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक समाज की जंगल कैंप में आयोजित पिकनिक जोश, मस्ती और उल्लास से भरपूर होगी। इस आयोजन को लेकर समाज के बांधव खासे उत्साहित हैं। चतुर्वेदी समाज की पिकनिक में महिलाओं एवम पुरुषों के लिए म्यूजिकल चेयर, बच्चो के लिए लेमन स्पून रेस, रस्सा खेंच सहित कई आकर्षक खेल होंगे। तंबोला इस दिन का एक और आकर्षण होगा। श्री माथुर चतुर्वेदी शाखा सभा भोपाल हर साल होली और दीवाली मिलन के कार्यक्रम बड़े पैमाने पर करता है, कोविड के चलते समाज के आपसी मेलजोल के कार्यक्रम थम गये थे।

होनहार बच्चों के लिए डेटावेस पोर्टल बनाना जरूरी: संभागायुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संभागायुक्त मालसिंह भयडिया ने कहा कि देश और दुनिया में प्रदेश के अध्यनरत और कार्यरत युवाओं का डाटा होना चाहिए जिससे ऐसे होनहार बच्चों का लाभ देश और प्रदेश को मिल सके। भयडिया शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय युवा नीति के प्रारूप तथा राज्य की प्रस्तावित युवा नीति के लिए सुझाव हेतु संभागीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।कार्यशाला में अखिल भारतीय एवं राज्य सेवा के भोपाल संभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा नीति कार्यशाला में संभागायुक्त मालसिंह भयड़िया ने कहा कि युवा अधिकारियों से युवा नीति के लिए कार्यशाला के माध्यम से शिक्षा और कौशल पर सुझाव आमंत्रित करना है। कार्यशाला में राज्य पुलिस सेवा, राज्य वन सेवा और राज्य वित्त सेवा के अधिकारियों को उनके सुझाव और प्रस्ताव के लिए आमंत्रित किया गया था। संभागायुक्त भयड़िया ने कहा कि मध्यप्रदेश की युवा नीति के संबंध में अधिकारियों द्वारा बहुत अच्छे सुझाव प्राप्त हुए है। संभागायुक्त मालसिंह ने कहा कि हो सके कि गांव का युवा कहां-कहां एज्यूकेशन ले रहा है और कहां अपनी सेवाएं दे रहा हैं। कई बच्चें विदेशों में अपनी सेवाएं देते हैं। राज्य शासन चाहता है कि ऐसे होनहार बच्चों का लाभ देश और प्रदेश को मिले, इसके लिए डेटावेस पोर्टल बनाने की आवश्यकता है। संभागायुक्त भयड़िया ने कहा कि अधिकारियों द्वारा सुझाव प्राप्त हुए हैं बहुत अच्छे है और उन्हें नई युवा नीति में शामिल करने के लिए भेंजे जाएंगे।

संभागायुक्त भयड़िया ने कहा कि राज्य शासन द्वारा लाखों लोगों को रोजगार दिया जा रहा है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी के अभाव में लोगों को रोजगार प्राप्त करने में कठिनाई होती है इसके लिए प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवा नीति में आपके सुझाव और प्रस्ताव शामिल किए जाएंगे। संभागायुक्त मालसिंह ने सभी संभागीय अधिकारियों को शुभकामनाएं दी। कलेक्टर अविनाश लवानिया ने कहा कि कार्यशाला में उपस्थित सभी लोगों का मैं स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं आयोजित होती रहना चाहिए जिससे फील्ड के अधिकारी आपस में मुलाकात कर सकते हैं और उनके कार्य क्षेत्र में जो परेशानियां आती है उसको साझा कर सकते है। कलेक्टर लवानिया ने कहा कि आज का युवा इस देश का भविष्य है, जिम्मेदार युवा ही इस देश के बेहतर बना सकता है। कलेक्टर लवानिया ने कहा कि आप सब अधिकारियों के समावेशी सुझाव कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त होंगे जिससे युवा नीति बेहतर तैयार हो सकेगी।

युवा नीति कार्यशाला में भोपाल संभाग के भोपाल, रायसेन, सीहोर, विदिशा और राजगढ़ के अधिकारियों ने भाग लिया। स्मार्ट सिटी के सीईओ गौरव बेनल ने कार्यशाला में कहा कि एज्युकेशन एंड स्किल डवलपमेंट की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में इसका समावेश किया जाना चाहिए। कार्यशाला में उपस्थित संभाग के सभी अधिकारियों ने रोजगार, उद्यमिता, मेंटल हेल्थ, खेल, स्वास्थ्य, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, पुरातत्व, स्थानीय स्तर की जानकारी के साथ नैतिक शिक्षा का पाठ्यक्रम भी प्राथमिक शिक्षा से दिए जाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही अधिकारियों ने सभी गतिविधियां स्कूलों में आयोजित करने के लिए अपने प्रस्ताव दिए।

मप्र ट्रांसको के लोड डिस्पेच सेंटर को मिला राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

म.प्र. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के जबलपुर स्थित स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर को उसके विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे, नवाचार करने, देश में सर्वप्रथम साइबर सिक्योरिटी माडल विकसित करने सहित अन्य मापदंडों में अग्रणी होने से देश के पावर सेक्टर का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय लोड डिस्पेच सेंटर (भार प्रेषण केन्द्र) उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ है। भारत के बिजली सेक्टर की राष्ट्रीय संस्था ग्रिड इंडिया से संबधित फोरम ऑफ लोड डिस्पेचर एवं आईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल पावर सिस्टम कांफ्रेंस में म.प्र. ट्रांसको की तरफ से मुख्य अभियंता स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर जबलपुर एस.एस. पटेल एवं अधीक्षण अभियंता आर.के. गुप्ता ने पुरस्कार ग्रहण किया। उत्कृष्ट लोड डिस्पेच सेंटर की चयन प्रक्रिया में देश के 43 लोड डिस्पेच सेंटर्स ने हिस्सा लिया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने म. प्र. ट्रांसको स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर जबलपुर के अभियंताओं को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी है। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को देश के पावर

सेक्टर का यह बेहद प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रिड मापदण्डों का पालन करने और पुरस्कार चयन की तीन चरणों की कठिन प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद मिला है। चयन प्रक्रिया के पहले चरण में 40 से अधिक मापदंड बिंदुओं पर वस्तुस्थिति के आधार पर मध्य प्रदेश सहित महाराष्ट्र और तेलंगाना प्रदेश चुने गये। दूसरे चरण में प्रेजेंटेशन एवं चार सदस्यीय जूरी द्वारा लिये मौखिक साक्षात्कार के आधार पर पहले चरण में चयनित तीनों स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर्स की परफारमेंस परखी गई। आईआईटी के प्रोफेसर्स, पोसोको (ग्रिड इंडिया) के विश्व स्तरीय रिटायर्ड विशेषज्ञ और टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टीटयूट के नामी विशेषज्ञों की जूरी द्वारा तीसरे चरण की प्रक्रिया के बाद समग्र रूप से मध्यप्रदेश के राज्य लोड डिस्पेच सेंटर को इस पुरस्कार के लिये चुना गया।

ग्राहक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा ग्राहक जागरण पखवाड़े के निमित्त सिंदन्ता हॉस्पिटल, कोलार रोड भौपाल में जाग्रत ग्राहक जाग्रत भारत पत्रिका वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत भोपाल महानगर कोषाध्यक्ष राजकुमार चावरिया द्वारा बताया गया कि राष्ट्र की प्रगति में उपभोक्ता एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागरूक होकर ही हम एक उत्कृष्ट राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं एवं उपस्थित लोगों से अखिलभारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन में साथ देने का आग्रह किया। इस अवसर पर सदस्यों के द्वारा हॉस्पिटल में जाग्रत ग्राहक, जाग्रत भारत जागरण पत्रिका का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सचिन शर्मा,कमलेश पटेल, राज चावरिया,,अनिल पांडेय,कुमारी दुर्गेश सेन, रेखा राजपूत,अंकित मिश्रा, सुकृति उइके सहित हॉस्पिटल के संचालक डॉ संदीप सिंह जी एवं स्टाफ की सहभगिता से कार्यक्रम सफल हुआ।

वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के दो कोच बढ़ाये

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात क्लियर करने एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 09465/09466 अहमदाबाद-दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस स्पेशल (वाया गुना-बीना) में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के दो कोच स्थायी रूप से बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। यह अतिरिक्त कोच गाड़ी संख्या 09465 अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस स्पेशल में अहमदाबाद स्टेशन से 6 जनवरी 2023 से तथा गाड़ी संख्या 09466 दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस स्पेशल में दरभंगा स्टेशन से 9 जनवरी 2023 से गन्तव्य के लिए लगाए जाएंगे। दो अतिरिक्त कोच जुड़ जाने से यह गाड़ी 12 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 08 शयनयान श्रेणी, 01 जनरेटर कार, 01 एसएलआरडी सहित कुल 22 डिब्बों के साथ चलेगी।

जिला सलाहकार समिति की बैठक 28 को

भोपाल । जिला सलाहकार समिति पी.एन.डी.टी की समिति की बैठक 28 दिसंबर शाम 4 बजे सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जयप्रकाश चिकित्सालय में आयोजित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि डॉ. राकेश श्रीवास्तव सिविल सर्जन जयप्रकाश चिकित्सालय, डॉ. नितिन पटेल रेडियोलाईजिस्ट आदि उपस्थित होंगे।

एम्स में कोविड की हलचल को लेकर की बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्थिति से निपटने के लिए कदम उठाए हैं । प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल के निर्देशानुसार चिकित्सा अधीक्षक की अध्यक्षता में विभागाध्यक्षों एवं समस्त संबंधित अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक में वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयारियों पर चर्चा की गई । एम्स भोपाल में कोविड सैंपलिंग, जीनोम सीक्वेंसिंग सुविधाएं मौजूद हैं और उन्हें अधिक मजबूत बनाया गया है । आवश्यक दवाओं, उपयोगी सामग्रियों और पीपीई किट के उपलब्ध स्टॉक तथा लैब तैयारियों का मूल्यांकन किया गया । एम्स भोपाल में आधुनिक तरल मेडिकल गैस प्लांट है और सभी विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों ने पूर्व की भांति ही एम्स, भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के नेतृत्व की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया । चिकित्सा अधीक्षक, डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि स्टाफ और आम जनता के लिए एडवाइजरी जारी की जा रही है और एम्स भोपाल को मरीजों और जनता की हर संभव मदद के लिए आवश्यक प्रयास सुनिश्चित करना होगा ।

अनुसंधान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भोपाल। अनुसंधान में अंतर संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने और प्रबंधन के दृष्टिकोण से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं /नीतियों के विश्लेषण के लिए, एम्स भोपाल और आईआईएम इंदौर के बीच 23.12.2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए । इसमें छात्रों और संकायों का परस्पर आदान-प्रदान शामिल होगा । दोनों ही संस्थान अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ संयुक्त रूप से परियोजनाओं का संचालन करेंगे । एम्स, भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा कि मेरे लिए आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सिर्फ एक वर्ष पहले ही मैंने भारतीय प्रबंध संस्थान, इंदौर से स्वास्थ्य प्रबंधन में अपना एक्जीक्यूटिव कोर्स पूरा किया है।

सुशासन संस्थान में 5 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। विकास को आगे बढ़ाने के दायित्व निर्वहन में युवाओं को सशक्त बनाने विभिन्न विधाओं के विशेषज्ञों ने युवाओं को सुझाव दिये। सतत विकास में भागीदारी के लिये स्वंसेवी संस्थाओं (सीएसओ), प्रदेश के विश्वविद्यालयों के छात्र एवं सरकारी अधिकारियों के लिए सुशासन संस्थान में 5 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम विकास संचार में सुझाव दिये।

समापन समारोह में प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों द्वारा दिये गये सुझावों पर अमल कर स्वयं को सतत विकास में भागीदार बनाएँ। उन्होंने कहा कि विषय-विशेषज्ञों ने युवाओं से अनुभव साझा कर समझाइश भी दी। एग्पा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक हजेला ने समाज के वृहद मुद्दों पर चर्चा करते हुए सकारात्मक विकास संचार को आगे बढ़ाने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि देवारण्य योजनाओं के क्रियान्वयन में सामने आ रही चुनौतियों का मुकाबला स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिल कर किया जा सकता है। एग्पा के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री लोकेश शर्मा ने प्रतिभागी युवाओं को सकारात्मक कहानियाँ लिखने के लिये प्रेरित किया और संस्थान में पदस्थ यंग फेलो के साथ मिल कर लेखन कार्य करने को कहा। वरिष्ठ पत्रकार श्री अभिलाश खांडेकर ने कहा कि विभिन्न विषयों के बारे में पहले समझ विकसित करें।

इंटर्नशिप कर रहे लॉ छात्रों को सिखाई बारीकियाँ

भोपाल । राज्य स्तरीय पुलिस कन्ट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में देश के विभिन्न लॉ कॉलेज से आए लॉ छात्रों द्वारा भ्रमण किया गया । उनके साथ मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग के संजय विश्वकर्मा, रिसर्च ऑफिसर थे । ये छात्र मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग में इंटर्नशिप कर रहे हैं । छात्रों को डायल-112/100 की टीम द्वारा डायल-112/100 सेवा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई एवं उन्हें कॉलटेकर कक्ष एवं डिस्पेचर कक्ष का भ्रमण कराकर उनमें किसी प्राप्त सूचना पर होने वाली कार्यवाही से अवगत कराया गया तथा डायल-100 की टीम द्वारा उनके रोचक प्रश्नों के उत्तर भी दिए । भ्रमण कार्यक्रम के समय उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) संजय दुबे, निरीक्षक (रेडियो) मोहन सिंह, उप निरीक्षक (रेडियो) गजेन्द्र सिंह रघुवंशी एवं अन्य पुलिस अधिकारी गण उपस्थित रहे ।

स म्पा द की य

किसानों का हाथ खाली, बजाओ ताली

कल किसान दिवस निकल गया। पता ही नहीं चला। देश से लेकर राज्यों की सरकारों में जो लोग बैठे हैं, उनमें अधिकांश या तो किसान रहे हैं या कागजों में अभी भी किसान हैं, लेकिन जो असली किसान हैं। यानि आज भी खेती पर ही निर्भर हैं, उनकी बात तो सब करते हैं, समाधान आज तक नहीं निकल सका है।

कम ही लोगों को पता है कि चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस यानी 23 दिसंबर को किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

असल में, चौधरी चरण सिंह को किसानों, खासकर छोटे और सीमांत किसानों की समस्याओं, उनके मुद्दों को आगे लाने के लिए जाना जाता है। किसान दिवस पर किसानों की बात तो की ही जा सकती है। कितनी विडम्बना है कि कृषि प्रधान इस देश का अधिकांश किसान आज भी खेती के लिए बारिश के पानी पर ही निर्भर है। उनकी फसलों के लिए खाद की बारी आती है तो उसकी कालाबाजारी शुरु हो जाती है। रात भर लाइन में लगने के बाद दो बोरी मुश्किल से मिलती है। यूरिया चाहिए तो डीएपी मिलती है। बीज मिलने की अलग समस्या है।

फसल बिकने की बारी आती है तो क़ीमतें कम और बहुत कम हो जाती हैं। कह सकते हैं, कम कर दी जाती हैं। सरकारें कुछ करती नहीं और व्यापारी बिचौलिया बनकर खूब कमाते हैं। मुख्य समस्या यह है कि आज भी भारतीय किसान के पास फसल को रोकने या रोके रखने की ताक़त नहीं है। फसल के आने के वक्त जो भी दाम मिले उसमें उसे बेचने के अलावा उसके पास कोई चारा नहीं होता। उसके पिछले कर्ज, आने वाले खर्च, उसे फसल को रोके रखने की कभी इजाजत नहीं देते।

शक्तिशाली सरकारों के रहते किसानों को महीनों इस बात के लिए आंदोलन करना पड़ता है कि कम से कम उसकी फसल के सही दाम मिल सकें। सरकारें हैं कि वादे करके मुकर जाती हैं और किसान कुछ नहीं कर पाता। समस्या यह भी है कि जिस तरह कर्मचारी हड़ताल कर देते हैं, शिक्षक कलम बंद हड़ताल कर सकते हैं, उस तरह किसान फसल बोना या पैदा करना नहीं रोक सकता। दिल्ली तक में आंदोलन कर चुका, कुछ नहीं हुआ, कई किसान शहीद हो गए। आंदोलन करते हैं, तो किसी को खालिस्तान से जोड़ दिया जाता है तो किसी को आतंकवादियों से।

सरकारें चाहे जिस दल की भी हों, फ़ायदा उठाती रहती हैं। सहूलियत के नाम पर किसान को मोटे तौर पर कुछ नहीं मिलता। शहरों में, उद्योगपतियों की फैक्ट्रियों में चौबीसों घंटे बिजली रहती है लेकिन किसान को बारह घंटे भी बिजली नहीं मिल पाती। क्यों? कोई नहीं जानता। किसी सरकार के पास इसका जवाब भी नहीं है। किसान समझता है कि दो घंटे से दस घंटे बिजली मिलना तो बेहतर ही है, इसलिए वह भी कुछ नहीं बोल पाता। बोले भी तो आखिर सुनने वाला कौन है? जो किसान उनका वोट पाकर संसद या विधानसभाओं में पहुँच जाते हैं, वे किसान रह ही नहीं जाते। नेता-उद्योगपतियों की गिनती में आ जाते हैं। किसानों को इस तरह धोखे के सिवाय कुछ भी नसीब नहीं होता। खेती के नाम पर अवैध कमाई दर्ज करके खेती को लाभ का धंधा बनाने की साजिश भी चल रही है। एक किसान की आय खेती से यदि दस हजार रुपए माह होती है, तो विधायक या मंत्री बनते ही एक करोड़ रुपए सालाना से भी ऊपर पहुंच जाती है। कभी इस पर सवाल नहीं किए गए।

और एक बात। अब तो असली किसान जब भी आंदोलन करते हैं, समानांतर आंदोलन भी खड़ा करने की कोशिश की जाती है। उधर बैठकें शुरू होती हैं, इधर सरकार द्वारा प्रायोजित संगठन प्रदर्शन के नाम पर सभा करते हैं, मंत्री, मुख्यमंत्री को बुलाकर अपनी दुकान सजा लेते हैं। विरोध के नाम पर एक ज्ञापन, और सारा खर्च सरकार के सिर। किसान को क्या मिला? कुछ नहीं। जो सरकार को करना है, वही होगा। किसान हो या मध्यम वर्ग, सरकारें उसे झुनझुना ही पकड़ाती हैं। आश्वासनों की नदी बहती है चुनाव में, चुनाव होते ही सूख जाती है। उसके घाट भी लापता हो जाते हैं। मुट्ठी खुली और हाथ खाली। बजाओ ताली। जय जवान, जय किसान।

राजनीति का यह अचरज बना हुआ है अबूझ

सरयूसुत मिश्रा

सरकारों के महापाप में जनता अपने जनादेश के पुण्य को गंवा देती है। अध्यात्म में ऐसा कहा जाता है कि पुण्य और पाप का फल अवश्य मिलता है। राजनीति में एक सरकार के पाप का पुण्य दूसरी सरकार को तो मिलता है लेकिन पाप करने वाले को दंड मिलता हुआ कम ही दिखाई पड़ता है। पक्ष-विपक्ष की सरकारों के महापाप और पुण्य की राजनीति में सत्ता की अदला-बदली हो जाती है लेकिन महापाप करने वाले दंड से क्यों बच जाते हैं? ऐसे हालात लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली को क्या मजबूत कर रहे हैं?

मध्यप्रदेश में पूर्व की कांग्रेस सरकार के पांच महापापों की चर्चा छिड़ी है। कांग्रेस सरकार का पहला पाप सिंचाई परियोजनाओं में महाघोटाले को बताया गया है। टेंडर की शर्तों में संशोधन कर करोड़ों रुपए का लाभ ठेकेदारों को पहुंचाया गया। इस महापाप के लिए जिम्मेदार राजनेताओं को दंड नहीं देना, क्या लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर नहीं करेगा? दूसरा पाप सरकार द्वारा प्रतिशोध की कार्यवाही को बताया गया है। जिस सरकार ने जिन लोगों के साथ भी प्रतिशोध की कार्यवाही की है, सरकार के प्रतिशोध को जिन लोगों ने भोगा है, उनका उपयोग क्या सत्ता बदलाव के लिए करना ही पर्याप्त है? क्या ऐसा प्रयास नहीं होना चाहिए कि सरकारों में प्रतिशोध की संभावनाएं न्यूनतम या समाप्त हो जाएं।

तीसरे पाप के रूप में बताया गया है कि तत्कालीन सरकार ने जन कल्याण की योजनाएं बंद कर दी थी। जो योजनाएं बंद की गई थीं उन्हें जनहित की दृष्टि से निश्चित रूप से ही चालू कर दिया गया है। योजनाओं को बंद करने के पीछे अगर कोई राजनीतिक दृष्टिकोण उस समय की सरकार का था तो सरकारों में यह प्रयास क्यों नहीं किया जाना चाहिए कि जो योजनाएं विधिवत वैधानिक प्रक्रिया के साथ किसी भी सरकार द्वारा एक बार चालू कर दी गई हैं उनको बिना पर्याप्त शोध और तार्किक कारण के बंद नहीं किया जा सके।

जलजीवन मिशन को प्रारंभ नहीं करने को कांग्रेस सरकार का चौथा महापाप बताया गया है। तत्कालीन सरकार में सत्ता के अहंकार को पांचवा महापाप बताया गया है। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है। जनादेश द्वारा सरकार को लोक सेवा की जिम्मेदारी दी जाती है। सेवक में अहंकार की कोई जगह नहीं होती लेकिन सरकारों में अहंकार ना हो तो फिर सरकार ही कैसे मानी जाएगी? लोकतांत्रिक राजनीति क्या सत्ता प्राप्ति के लिए आरोप लगाने तक ही सीमित हो गई है?

हर राज्य में हर दल द्वारा चुनाव के पहले अक्सर तत्कालीन सरकार के विरुद्ध आरोप पत्र जारी किए जाते हैं। उन आरोपों में सरकारों को भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के लिए कठघरे में खड़ा किया जाता है। कई बार जनता आरोप पत्रों पर विश्वास कर लेती है। जनादेश से सत्ता बदलाव हो जाता है। आरोप पत्र जारी करने वाली पार्टी सत्ता में आने के बाद आरोपों को कूड़े में डाल देती है।

राजनीतिक वक्तव्यों की विश्वसनीयता पर गहरा संकट खड़ा हो गया है। केंद्र और राज्यों में हुए अब तक के चुनाव और पक्ष विपक्ष के बीच सरकारी स्तर पर भ्रष्टाचार और अनैतिकताओं के पाप और महापाप के आरोपों को अगर संग्रहित किया जाए तो जनादेश देने वाली जनता राजनीतिक महापाप को महापुण्य समझने की भूल कर सकती है। जिन पर आरोप लगते हैं वह वक्त के साथ भुला दिए जाते हैं और महापाप में शामिल राजनीतिज्ञ सरकार के सूत्र चलाने लगते हैं।

संसदीय शासन प्रणाली की बुनियाद क्या अब सत्यता से दूर होती दिख रही है? क्या राजनीतिक फरेब सफल होते हुए दिखाई पड़ रहे हैं? तमाम सारे दावों के बावजूद जनता की बदनसीबी का पहाड़ कम क्यों नहीं हो रहा है? नेताओं की फौज, मौज करते हुए क्यों दिखाई पड़ती है? लोकतंत्र में कोई केमिकल लोचा तो नहीं हो रहा है? आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ लेना और बाद में उनको भुला देना, महापाप करने वालों को दंड नहीं मिलना क्या लोकतंत्र को कमजोर नहीं कर रहा है?

आज पूरी दुनिया पंथ और मजहब में विभाजित है। हर मजहब अपने को श्रेष्ठ और दूसरे को कमतर करने में लगा हुआ है। धार्मिक विवादों की जड़ भी यही है। यही हालात राजनीतिक जगत के भी दिखाई पड़ रहे हैं। राजनीतिक दल और नेता दूसरे की गलतियों को राजनीतिक हथियार बनाकर जन विश्वास हासिल करने की महारत हासिल कर रहे हैं। उस पब्लिक के बारे में कोई नहीं सोच रहा है जो हर समय किसी न किसी सरकार के महापाप का भुक्तभोगी बनती है।

राजनीति की यह उलट बांसी पब्लिक के लिए भारी साबित हो रही है। ऐसी अचरज की परिस्थितियां पब्लिक को देखना पड़ती हैं कि सारी समझ ही कुंद होने लगती है। सरकारों के महापाप और वर्तमान राजनीतिक हालातों पर संत कबीर की यह पंक्तियां कितनी मौजू हैं-

देखि-देखि जिय अचरज होई, यह पद बूझें बिरला कोई॥

धरती उलटि अकासै जाय, चिउंटी के मुख हस्ति समाय।

बिना पवन सो पर्वत उड़े, जीव जन्तु सब वृक्षा चढ़े।

सूखे सरवर उठे हिलोरा, बिनु जल चकवा करत किलोरा।

बैठा पंडित पढ़े कुरान, बिन देखे का करत बखान।

कहहि कबीर यह पद को जान, सोई संत सदा परबान॥

विपक्षी बना रहे तिल का ताड़

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संसद की बहस को देखते हुए ऐसा लगता है कि हमारे विपक्ष के तरकस में तीर हैं ही नहीं। वह सत्तारुढ़ दल पर खाली तरकस घुमाने में जुटा हुआ है। कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पहले उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर हमला किया और फिर तवांग में हुई मुठभेड़ को लेकर लोकसभा में हंगामा हो गया। इन दोनों मामलों में विपक्ष चाहता तो संसद में गंभीर बहस चलवा सकता था, जिससे देश को लाभ ही होता। जनता को भी पता चलता कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के समन्वय पर जो बात उपराष्ट्रपति ने कही है, वहां कहां तक ठीक है। जगदीप धनखड़ ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में वर्तमान 'कॉलेजियम' पद्धति में सुधार की बात कही थी। उन्होंने न्यायपालिका के अधिकारों की कटौती या उपेक्षा की कोई बात नहीं कही थी। उन्होंने किसी स्वस्थ संसदीय प्रजातंत्र में न्यायपालिका, विधानपालिका और कार्यपालिका के बीच जो आवश्यक संतुलन और सहयोग का तत्व होता है, उसी पर जोर दिया था।

इसके अलावा राज्यसभा के सभापति के तौर पर उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मंत्री पीयूष गोयल से कहा था कि वे सदन में एक-दूसरे पर खुले प्रहार करने के बजाय उनके कक्ष में आकर तवांग में हुई मुठभेड़ पर बात करें तो खड़गे ने धनखड़ की इस विनम्र अपील को भी ठुकरा दिया। विपक्ष ने तवांग के मुद्दे पर तो लोकसभा की कार्रवाई ही ठप्प कर दी थी। कांग्रेस की मांग है कि तवांग मसले पर भारतीय सैनिकों की जो 'पिटाई' हुई है, उस पर खुली बहस हो। हमारे वीर जवानों के लिए इस शब्द का इस्तेमाल सर्वथा अनुचित है। बिना प्रमाण ऐसे शब्दों का प्रयोग उसके वक्ता की प्रतिष्ठा को ही गिरा देता है। तवांग में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच जो मामूली मुठभेड़ हुई है, वह क्या इस लायक थी कि उस पर हमारी संसद के कई घंटे बर्बाद किए जाएं?

सीमा-क्षेत्रों में ऐसी फौजी झड़पें अक्सर होती ही रहती हैं। ऐसी झड़पें भारत-चीन और भारत-पाक सीमांतों पर ही नहीं होतीं, वे बांग्लादेश, म्यामांर, नेपाल जैसे पड़ौसी देशों के सीमांतों पर हो जाती हैं। उन्हें तिल का ताड़ बनाने की तुक आखिर क्या है? शायद इसीलिए है कि हमारे विपक्ष के पास न तो कोई बड़ी नीति है और न ही कोई नेता! यदि तवांग की मुठभेड़ गंभीर होती तो भारत और चीन के कोर कमांडर दो दिन पहले चुशूल-मोल्दो सीमांत के शिविर में बैठकर शांतिपूर्वक बात क्यों करते? दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि वे सभी मुद्दों को बातचीत से हल करेंगे। 2020 में हुए गलवान घाटी विवाद पर भी दोनों पक्षों का रवैया ताल-मेल का था।

चीन के साथ सीमांत पर यदा-कदा झड़पें होती रहती हैं लेकिन हम यह न भूलें कि उसके साथ भारत का व्यापार भी बढ़ता ही जा रहा है। हमारा विपक्ष क्या चाहता है? हम जबरदस्ती चीन के साथ क्या झगड़ा मोल ले लें? कांग्रेस यह नहीं चाह सकती लेकिन वह मोदी सरकार की किसी भी तरह टांग-खिंचाई जरूर करना चाहती है। इसीलिए वह एक अ-मुद्दे को मुद्दा बनाने पर तुली हुई है।

देखिये ! आत्महत्या करते देश के भविष्य को

राकेश दुबे

निश्चित ही यह आंकड़े हृदय विदारक है 7 भारत में दुर्घटनावश एवं आत्महत्या में करने वाले लोगों की राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो रिपोर्ट-2021सामने है 7 यूँ तो यह रिपोर्ट इस साल अगस्त में जारी हुई है। जो यह दर्शाती है कि पिछले साल देश भर में 13000 से अधिक छात्रों ने जान दी है। वास्तव में, 2016-2021 के दौरान छात्र-आत्महत्या के मामलों में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 1832 मौतों के साथ महाराष्ट्र सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद मध्य प्रदेश (1,308) तमिलनाडु (1246) आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में छात्र आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।अफ़सोस सरकारें दु:ख व्यक्त करने से अधिक कुछ भी नहीं कर रहीं हैं।

हाल ही में राजस्थान के कोटा में दाखिला परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन किशोर छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या ने पूरे देश को सकते में डाल दिया। उनमें दो, अंकुश और उज्ज्वल बिहार से थे और दोस्त भी, जो अगल-बगल कमरों में रहते थे। एक इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था तो दूसरा मेडिकल कॉलेज में दाखिले की। दोनों ने फंदा लगाकर जान दे दी। तीसरा छात्र प्रणव मध्य प्रदेश से था और राष्ट्रीय योग्यता उर्फ प्रवेश परीक्षा (स्नातक) यानी 'नीट' जो कि मेडिकल कोर्स में प्रवेश पूर्व इम्तिहान है की तैयारी कर रहा था। उसने जहर खाकर जान दे दी।

छात्रों पर पड़ने वाला चरम दबाव को ये मौतें दर्शाती हैं। कोटा के कोचिंग केंद्र लंबी अवधि वाले पढ़ाई घंटे, तिस पर अनेकानेक एसाइन्मेंट्स लादने और अत्यंत स्पर्धात्मक आंतरिक परीक्षाएं करवाने के लिए कुख्यात हैं, इनके जरिए यह तय किया जाता है कि क्या कोई छात्र 'तरक्की' करके और ऊंचे बैच में बैठने लायक है या नहीं, जिनमें नामी-गिरामी अध्यापक तैयारी करवाते हैं। देश के सर्वोत्तम शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए विद्यार्थी को परीक्षा में बहुत अच्छा कर दिखाना जरूरी हो जाता है। बहुत से छात्र अति सघन पाठ्यक्रम को संभाल नहीं पाते क्योंकि उनकी प्राथमिक शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षा की पढ़ाई में बहुत बड़ा अंतर होता है।

कोटा कोचिंग सेंटर्स के गढ़ के तौर पर जाना जाता है, जहां पर इंजीनियरिंग और मेडिकल परीक्षा की प्रतियोगिता की तैयारी करवाई जाती है। देश के दूर-दराज और छोटे शहर-कस्बों के लगभग 1.5 लाख विद्यार्थी कोटा में चल रहे लगभग 100 निजी कोचिंग केंद्रों में पढ़ते और रहते हैं। पिछले कुछ सालों से, छात्रों द्वारा खुदकुशी की संख्या में चिंताजनक इजाफा हुआ है। इस साल कोटा में 14 छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछली बार इतनी बड़ी संख्या 2018 में थी जब 19 विद्यार्थियों ने जान दी। वर्ष 2016 में यह गिनती 17 थी। यह घटनाएं बारम्बार हो रही हैं।

वैसे भी इन तैयारी कोर्सों की बहुत अधिक फीस होना भी विद्यार्थियों और माता-पिता पर बहुत बड़ा बोझ है, सालाना फीस 1.5-5 लाख के बीच है। वास्तव में, अनेक मर्तबा यह फीस वे बहुत मुश्किल से इकट्ठा कर पाते हैं, कभी कर्ज लेकर या फिर पारिवारिक गहने-संपत्ति गिरवी रखकर, इससे अभिलाषी छात्रों पर बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक दबाव बन जाता है। सही मायने में केंद्र सरकार देश के शिक्षा तंत्र में सुधार करने में विफल रही है, प्रतियोगी परीक्षा-आधारित कोचिंग केंद्र में जाना मानो सामान्य नियम बन चला है।

कोंचिग केंद्रों की करतूतों पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। 2015 में राजस्थान सरकार ने कोचिंग केंद्रों के लिए नियम बनाए थे। इनके अंतर्गत उन्हें दबाव-रहित माहौल बनाए रखना और छात्रों को आमोद-फुर्सत लायक समय देना और हफ्ते में कम से कम एक दिन का अवकाश देना अनिवार्य है। इसके अलावा सरकार ने संस्थानों को निर्देश दिए थे कि कक्षा का आकार मौजूदा लगभग 200 विद्यार्थियों की संख्या से घटाकर 80 से अधिक न होने पाए। वर्ष 2019 में, राज्य सरकार ने एक कमेटी बनाई जिसका काम कोचिंग केंद्रों को नियमबद्ध करना और छात्रों पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए बनाए जाने वाले कानून हेतु सुझाव देने थे। हालांकि रिपोर्ट में क्या है वो आई भी की नहीं, यह आज तक नहीं बताया गया।

इस त्रासदी का उपाय करने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएं, जिसमें सभी संबंधित पक्ष शामिल हों यानी छात्र, अभिभावक, अध्यापक, संस्थान और नीति-निर्माता। शिक्षाविद? लंबे समय से भारत में किसानों द्वारा की गई आत्महत्या को कृषि संकट से जोड़ते आए हैं, अब समय आ गया है कि सिविल सोसायटी छात्र-आत्महत्या को देश के शिक्षा तंत्र में व्याप्त गंभीर संकट के तौर पर देखना शुरू करे।

फिल्मों को भी खूब भाई गोवा की रंगीन जिंदगी!

हेमंत पाल

दिसम्बर का महिना आते ही देशभर के पर्यटक अपना झोला लेकर गोवा की तरफ निकल पड़ते हैं। 25 दिसम्बर और 31 दिसम्बर को गोवा के तटों पर सैलानियां का सैलाब दिखाई पडता है। गोवा का यह सैलाब केवल भौगोलिक पृष्ठभूमि ही नहीं, सिनेमा के परदे पर भी अकसर दिखाई देता है। संयोग की बात है कि 61 साल पहले दिसंबर माह की 19 तारीख को गोवा पुर्तगालियां की उपनिवेषिता से आजाद होकर भारतीय गणतंत्र का हिस्सा बना, तब से अब तक गोवा और उसके आसपास की दृष्यावलियां कई फिल्मों में दिखाई दी। लेकिन, गोवा की आजादी को लेकर अभी तक कोई प्रभावशाली फिल्म नहीं बनी। जितनी भी फिल्में बनी, उन्होंने दर्शकों पर अपना प्रभाव जरूर छोड़ा। गोवा की आजादी को लेकर सबसे पहले 1965 में कॉमेडियन, अभिनेता और निर्माता-निर्देशक आईएस जौहर ने 'जौहर महमूद इन गोवा' फिल्म बनाई थी। इस फिल्म के प्रति जौहर कितने गंभीर थे, इसका पता इसी से चलता है, कि उन्होंने इसका प्रदर्शन 1 अप्रैल 1965 को किया। लेकिन, इस फिल्म ने आईएस जौहर की लॉटरी लगा दी। जौहर, महमूद, सोनिया साहनी, सिमी गरेवाल और कमल कपूर अभिनीत यह फिल्म अपने गानों के कारण खूब चली। कल्याणजी-आनंदजी ने इस फिल्म के लिए यह दो दीवाने दिल के, अंखियो का नूर है तू और 'धीरे रे चलो मोरी बांकी हिरनिया' जैसे कर्णप्रिय गीतों की रचना की थी।

गोवा स्वतंत्रता संग्राम पर दूसरी फिल्म 1983 में प्रदर्शित 'पुकार' थी। अमिताभ बच्चन, टीना मुनीम, जीनत अमान, रणधीर कपूर, प्रेम चोपडा, श्रीराम लागू अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन रमेश बहल ने किया था। कहानी के मुताबिक, इस फिल्म का कथानक आजादी से पहले वाले गोवा पर केंद्रित था। फिल्म में क्रांतिकारियों का एक समूह पुर्तगाल से आजादी के लिए लडता है। यह फिल्म अपने कथानक के बजाए 'समंदर में नहाकर और भी रंगीन हो गई हो' जैसे गरमा-गरम गीत के कारण चर्चित तो हुई, पर बॉक्स आफिस पर धराशायी हो गई थी। इसके बाद गोवा के स्वतंत्रता संग्राम पर कोई उल्लेखनीय फिल्म नहीं बन पाई। लेकिन, गोवा की लोकेशन पर कई फिल्में बनने लगी। जिनमें गोवा के चर्चों और मंदिरों से लेकर समुद्री तट का भरपूर दोहन हुआ। कोंकण के होने के कारण गुरूदत्त को गोवा की लोकेशंस खूब लुभाती थी। गोवा की पृष्ठभूमि पर गुरूदत्त ने क्राइम फिल्म 'जाल' का निर्माण किया था। देव आनंद और गीता बाली अभिनीत इस सफल फिल्म के गीत 'ये रात ये चांदनी फिर कहां' और 'चोरी चोरी मेरी गली आना है बुरा' आज भी सुने जाते हैं। गोवा में फिल्माई गई फिल्मों में रति अग्निहोत्री और कमल हासन अभिनीत 'एक दूजे के लिए' बेहद सफल हुई थी। ओल्ड पेट्रो ब्रिज, डोना पाउला चेट्टी, शांता दुर्गा मंदिर और हार्वालेम वाटर फाल्स की सुंदर लोकेशन पर फिल्माए दृश्यों को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था। डायरेक्टर होमी अदजानिया की फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' की शूटिंग भी गोवा में ही हुई थी।

संजय लीला भंसाली को भी गोवा की लोकेशन कुछ ज्यादा ही अच्छी लगती है। सलमान, मनीषा कोईराला और नाना पाटेकर जैसे कलाकारों को लेकर उन्होंने 'खामोशी = द म्यूजिकल' फिल्म बनाई। इसमें दर्शकों ने ओल्ड गोवा, अंजुना बीच, सालिगांव चर्च और रिवर क्रुज के दृश्यों का आनंद लेते हुए मधुर संगीत का आनद उठाया। इसके बाद संजय लीला भंसाली ने गोवा की पृष्ठभूमि लेकर खूबसूरत फिल्म 'गुजारिश' बनाई, जिसमें ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय की केमिस्ट्री को सराहा तो गया। लेकिन, अपने विषय के कारण यह बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पायी। यदि किसी फिल्म ने गोवा को सबसे ज्यादा लोकप्रिय बनाया, तो वह थी अनिल कपूर, दीपिका और रणवीर सिंह की फिल्म 'दिल चाहता है।' इसमें गोवा के चापोरा फोर्ट को बहुत सुंदरता के साथ सेल्यूलाइड पर उतारने का प्रयास किया गया था। इसका नतीजा यह हुआ कि गोवा की सैर पर जाने वाले 'दिल चाहता है' में दिखाए फोर्ट को जरूर देखते हैं।

फिल्मों में हास्य और स्टंट का घालमेल करने वाले रोहित शेट्टी ने अपनी 'गोलमाल' श्रृंखला में गोवा का खास उपयोग किया। रोहित ने अपनी इस श्रृंखला की अब तब बनी तमाम फिल्मों में दोना पाउला बीच, फोर्ट अगुआडा और पणजी स्थित जीएमसी काम्पलेक्स की लोकेशंस को रोमांचक अंदाज में पेश करने में सफलता पायी। गोवा की पृष्ठभूमि का उपयोग करके सफलता का कीर्तिमान बनाने में अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम' भी उल्लेखनीय है। इस फिल्म के एक्शन सिक्वेंस में दोना पाउल जेट्टी का इस तरह से उपयोग किया गया कि अब जो पर्यटक गोवा में यहां जाते हैं, तो गाइड यह बताना नहीं भूलते कि इस जगह पर जयकांत शिर्के के गुंडों और बाजीराव के बीच जमकर मारपीट हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन भी रोहित शेट्टी ने किया। उनकी एक फिल्म 'दिलवाले' में भी गोवा की लोकेशंस का जमकर उपयोग किया। फिल्म में दिखाया गया कि शाहरूख खान और वरूण धवन गोवा में रहकर कार रिपेयरिंग वर्कशॉप चलाते हैं। इस फिल्म में यूं तो पूरे गोवा के दर्शन होते है, लेकिन इसकी ज्यादातर शूटिंग पंजिम चर्च पर हुई थी। शाहरूख खान की एक अन्य फिल्म 'जोश' में भी गोवा की पृष्ठभूमि दिखाई गई।

रोहित शेट्टी और संजय भंसाली की तरह ही अजय देवगन के लिए भी गोवा की लोकशंस भाग्यशाली साबित हुई। रोहित शेट्टी की फिल्मों के अलावा अजय देवगन की सफल सस्पेंस फिल्म 'दृष्यम' को भी गोवा में ही फिल्माया गया। फिल्म का नायक विजय सालगांवकर गोवा में केबल टीवी केबल का व्यवसाय करता है। वह अपने परिवार के साथ सत्संग और खरीददारी के लिए पंजिम जाता है। उसका घर भी गोवा की सुंदर लोकेशन पर स्थित है। इन फिल्मों के अलावा रोहन सिप्पी निर्देशित क्राइम थ्रिलर 'दम मारो दम' भी उल्लेखनीय है, जिसमें निर्देशक ने 2 से 3 हजार लोगों की भीड़ एकत्रित कर गोवा के अरपोरा मार्केट में शूटिंग की थी। गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित कुछ उल्लेखनीय फ़िल्में है गो गोवा गोन, फाइंडिग फेनी, डियर जिंदगी, लेडिज वर्सेस रिकी बहल, नाम शबाना, भूतनाथ, दिल चाहता है, गोलमाल, सिंघम, दम मारो दम, दिलवाले और 'दृश्यम!'

1972 में महमूद निर्मित अमिताभ की फिल्म 'बाम्बे टू गोवा' में केवल नाम ही गोवा का था, पूरी फिल्म बस में ही फिल्मायी गई थी। जब फिल्म रिलीज हुई, तो यह अमिताभ बच्चन या शत्रुघ्न सिन्हा की फिल्म नहीं थी। वास्तव में, यह महमूद की कॉमेडी फिल्म थी, जिसे दर्शक कुछ घंटों के मनोरंजन की उम्मीद में देखने आए थे। उन्हें इससे कुछ और मिला तो वह बोनस था। हिन्दी फिल्मों के अलावा हॉलीवुड की कुछ फिल्मों में भी गोवा को शामिल किया गया। इन फिल्मों दूसरे विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित जासूसी फिल्म द सी वोवेल्स, बोर्न सुपरमेसी, शेडो आफ द कोबरा और द लेटर्स, बेंकाक हिल्टन शामिल है। फिल्मों की लोकेशन और पृष्ठभूमि के अलावा गोवा का लोक संगीत भी फिल्मों में काफी पसंद किया गया है। संगीतकार-प्यारेलाल के गुरू एंथोनी गोंसाल्विस भी गोवा के ही थे। उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए प्यारेलाल ने 'अमर अकबर एंथोनी' का गीत 'माय नेम इज एंथोनी गोंसाल्विस' रचा था। गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित गीत 'ना मांगू सोना चांदी' को श्रोताओं ने खूब सराहा है।

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर की जिंदगी पर भी फिल्म बनाने की तैयारी शुरू हो गई। फिल्म मेकर्स इसे स्व पर्रिकर के जन्मदिवस पर इस फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसे दो भाषाओं हिंदी और कोंकणी में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के प्रोड्यूसर स्वप्निल शेतकर के मुताबिक, पर्रिकर की सभी उपलब्धियों और उनसे जुड़े विवादों को फिल्म में दिखाया जाएगा। कहानी में मुख्य रूप से 2000 में उनके पहली बार मुख्यमंत्री बनने से पहले की घटनाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिनके बारे में ज्यादातर लोग नहीं जानते।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मॉस्क लगाये, भीड़-भाड़ वाले इलाके में जाने से बचे

छतरपुर,। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुक्त स्वास्थ्य संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं म.प्र. द्वारा वैश्विक स्तर कोविड-19 संक्रमण के न्यू वेरिएंट की आशंका के चलते प्रसारित निर्देशों में कहा गया है कि आम नागरिक कोविड संक्रमण बचाव के लिये पूरी सावधानी बरते और कोविड गाइडलाइन का दिनचर्चा में पालन करें। माक्स लगाये, सार्वजनिक स्थल जहां अधिक भीड़ रहती है वहां जरूरी होने पर ही जाये, एक-दूसरे लोगों से मिलते वक्त तीन गज की दूरी का पालन करें, हाथ न मिलाये, बुखार और सर्दी रोग से पीड़ित होने की स्थिति में चिकित्सक से तुरंत परामर्श लें और जरूरी होने पर परीक्षण भी कराये। सैनेटाइजर या साबुन से हाथों को बार-बार साफ करें।

पशुपालन विभाग का एक दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण सम्पन्न

खण्डवा । नीति आयोग आकांक्षी जिला परियोजना के तहत आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं सीपा संस्था द्वारा रॉयल इन होटल खंडवा में एक दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण अतिरिक्त उपसंचालक पशुपालन विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में जिले के सभी पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी, पशु चिकित्सा सहायक, शलयज्ञ अधिकारी एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को पशुपालन संबंधित पशु टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार, पशु प्रबंधन समेत पशु रोग एवं निदान पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण मे मुख्य प्रशिक्षक डॉ. दानवीर यादव सहायक प्राध्यापक एलपीएम विभाग महाविद्यालय महू द्वारा सभी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम मे अतिरिक्त उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. ऐ.के. पटेरिया समेत 16 मास्टर ट्रेनर व आई.टी.सी. मिशन सुनहरा कल सीपा संस्था से प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर रुचि भट्ट, कृषि विशेषज्ञ श्री शैलेंद्र सिंह जादौन, राहुल पाटीदार, नरेन्द्र चौधरी उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में सुशासन संबंधी दिलाई शपथ

खण्डवा 23 दिसम्बर, 2022 - भारत के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदंडों को स्थापित करने के लिए सदैव संकल्पित रहने एवं शासन को अधिक पारदर्शी जनकल्याण केंद्रित तथा नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लक्ष्य की शपथ आर.एम.ओ. डॉ. अनिरुद्ध कौशल द्वारा आज जिला चिकित्सालय के अधिकारी कर्मचारियों को दिलाई गई। इस अवसर पर डॉ. शक्ति सिंह राठौर, डॉ. मधु तंतुवार, डॉ. विशाल श्रीवास्तव, डॉ. नितिन कपूर, डॉ. नितिन चौधरी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सुशासन को और बेहतर बनाने जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

छतरपुर,। सुशासन सप्ताह के तहत जिला पंचायत छतरपुर के सभाकक्ष में शुक्रवार को संपन्न जिला स्तरीय कार्यशाला में सुशासन को और बेहतर बनाने के संबंध में मैदानी कर्मचारियों से कल्याणकारी कार्यक्रम और योजनाओं में किये गये अच्छे कार्यों का फीडबेक लिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संदीप जी आर, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम प्रताप सिंह चौहान, जिला अधिकारियों सहित ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक और एनआरएलएम समूह की महिलाएं एवं जिला चिकित्सालय की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रही।

जिला स्तरीय कार्यशाला में आमलोगों को सुशासन और बेहतर ढंग से कैसे मिले, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन और बेहतर तरीके से कैसे किया जाये और मैदानी अंचलों में किये जा रहे अच्छे कार्यों का दूसरी पंचायतों के मैदानी कर्मचारी भी जान सके और उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इस विषय पर विचार विमर्श किया गया और मैदानी कर्मचारियों से फीडबेक लेते हुये उनके कठिनाइयों को भी जाना गया।

कलेक्टर ने कहा कि गुड गवर्नेन्स के लिये टीम भावना के साथ-साथ दायित्व निर्वहन में समर्पण भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में अल्ट्रासाउंड एवं अन्य टेस्ट के लिये आने वाली गर्भवती महिलाओं के परीक्षण में विलम्ब न हो। उनके एएनसी कार्ड तुरंत बने, डीपीएम नोडल दायित्व निभाये। ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शादी होने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तत्परतापूर्वक प्रेग्नेंसी महिलाओं के एएनसी कार्ड बनाये। जो महिलाएं गर्भवती है वह गर्भवती क्लब में दिक्कतों के संबंध में आपस में चर्चा करें।

सीईओ जिला पंचायत श्रीमती तपस्या परिहार ने कहा कि मैदानी अंचलों में किये जा रहे विभागीय कल्याणकारी कार्यक्रमों में किये जा रहे अच्छे कार्यों का दूसरे लोगों को प्रेरणा मिलने के साथ-साथ अच्छा करने की सीख मिलती है। ईमानदारी से दायित्व निभाये, गुड गवर्नेन्स के लिये मेहनत और समर्पण भावना जरूरी है।

पर्यटन निगम के एमडी और कलेक्टर ने माण्डू उत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

धार। पर्यटन निगम के प्रबंध संचालक एस विश्वनाथन और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आज माण्डू में आगामी दिवसों में आयोजित होने वाले माण्डू उत्सव एवं त20 समिट के दौरान आगन्तुको के माण्डू प्रवास हेतु आवश्यक तैयारियों एवम् व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान वे माण्डू के विभिन्न स्थल पहुँचे। उन्होंने जहाज महल के क्षेत्र में प्रसाधन की व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट के नवीनीकरण, तालाब की साफ सफाई, स्मारकों के आस पास के खुरासानी इमली के पेड़ों पर फोकस लाइट लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जहाज महल परिसर के पहुँच मार्ग (नगर पालिका नाके से जहाज महल) पर स्वच्छता, स्ट्रीट लाईट करने तथा जहाज महल के पास मुंज तालाब की साफ-सफाई, तालाब में पानी कम होने पर भरे जाने, तालाब के आसपास लाईटिंग व्यवस्था, बाहर की तरफ खाली जगह पर वर्टिकल गार्डन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आसपास के लोगों द्वारा तालाब में गंदगी करने पर साइन बोर्ड लगाए और गंदगी करने वालों पर पेनल्टी लगाने की कार्यवाही करें। उन्होंने तालाब की पाल के पास के घरों के सामने बांस की दिवार लगाने, पार्किंग स्थल पर की सफाई कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि अतिथियों के लिए गाइड की व्यवस्था, अधिक संख्या में अतिथियों हेतु ग्रुप वाइज गाइड की व्यवस्था की जावे जिससे उन्हें आसानी हो तथा रूट चार्ट तैयार किया जावे, जिससे अतिथियों को माण्डव पहुंचने में कोई असुविधा उत्पन्न न हो। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के रेस्ट हाउस का निरीक्षण किया। जहां पर समस्त प्रकार की आवश्यक सुविधाऐं कराए जाने यथा गेट से अंदर की ओर सुसज्जित लाईट, बाहर की दीवार की ऊंचाई बढ़ाने, गार्डन सही करने, पेड़ों पर लाईट, माण्डव से संबंधित समस्त प्रकार के उपन्यास/किताबें का संग्रहण रखने तथा रेस्ट हाउस का नाम खुरासानी विला रखने के निर्देश दिए।

मप्र राज्य युवा नीति बनाने हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

खण्डवा । मध्यप्रदेश राज्य युवा नीति बनाने के लिए आज जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला की उपस्थिति में किशोर सांस्कृतिक भवन खण्डवा में आयोजित किया गया। कार्यशाला में 20 अलग अलग विषयों पर युवाओं द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में आईटीआई के युवाओं द्वारा बताया गया कि उद्योग विभाग को आईटीआई से जुड़ना चाहिए जिससे उनके सानिध्य में पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर युवा रोजगार से जुड़े और अगर अपना व्यवसाय करना चाहते है तो वह शिक्षा लेकर व्यवसाय कर सकते है। इसके अलावा बताया गया कि आईटीआई में सीपीसीटी एवं पीजीडीसीए का भी प्रशिक्षण शामिल किया जाये, जिससे युवाओं को इसका अलग से प्रशिक्षण नहीं लेना पड़े और वह प्रशिक्षण हासिल कर अपने कार्य को कर सके। युवाओं को रोजगार के लिए जो लोन दिया जाता है उसका ब्याज कम से कम करके लोन वापस जमा करने की अवधि बढ़ाई जाये, जिससे युवा अपना व्यवसाय सही ढंग से कर सके। बच्चों को ब्राण्डेड सामग्री के पीछे नही भागना चाहिए, उन्हें अपने केरियर को मजबूत करने के बारे में सोचना चाहिए, यह काम्पीटिशियन लोकल नहीं अब ग्लोबल का है। स्पोर्ट्स के संबंध में बताते हुए कहा कि स्पोर्ट्स को शिक्षा से जोड़ना चाहिए, हर स्कूल में खेल शिक्षक होने चाहिए। साथ ही अगर लड़के एवं लड़किया साथ में प्रेक्टिस कर रहे हो तो महिला एवं पुरूष दोनों प्रकार के कोच होना चाहिए जिससे वह अपनी समस्याओं से प्रशिक्षक को अवगत करा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए बताया कि ग्रामों में युवा संसद का गठन हो, जिसमें केरियर काउंसलिंग रखी जायें, जहां बच्चें 12वी कक्षा के बाद क्या बनना चाहते है, उनकी रूचि के अनुसार उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

नेहरू युवा केन्द्र ग्रुप द्वारा बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर विभिन्न प्रकार की रूचि अनुसार प्रतियोगिताएं की जा सकती है, जिससे लोगों को जागरूक किया जा सकता है। इसी प्रकार आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेद, योगा, सिद्धा, युनानी, आदि के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि आयुष डिस्पेंसरी एवं वेलनेस सेंटर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे है, जहां की दवाओं से लाभ उठाये। मेडिकल ग्रुप द्वारा बताया गया कि सोशल मीडिया पर भी हेल्थ संबंधी जानकारी अपलोड की जा सकती है, जिससे लोगों को शिक्षा मिलेगी। उन्होंने बताया कि मेंटल हेल्थ पर ध्यान दिया जायें, जिससे जो बच्चें मेंटेली परेशान रहते है, उनके लिए स्कूलों में काउंसलर हो, जो बच्चों पर ध्यान देकर उनसे विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता में भाग दिलवायें, जिससे बच्चें की मेंटली प्रोग्रेस हो सके। संयुक्त कलेक्टर सुश्री जावला ने सभी ग्रुपों को कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु धन्यवाद दिया।

सुशासन दिवस पर अधिकारी कर्मचारियों ने ली सुशासन संबंधी शपथ

खण्डवा । भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदण्डों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए शुक्रवार को कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपने अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों को तथा जिले के विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अपने अपने कार्यालय में सुशासन दिवस की शपथ ली।

जीवन और क्रिकेट एक जैसा है, क्रिकेट आत्मविश्वास के साथ संघर्ष की प्रेरणा देता है : लोकेंन्द्र पाराशर

बरेली। बरेली प्रीमियर लीग टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को पत्रकार इलेवन और नगर परिषद इलेवन का मेच हुआ 7 क्रिकेट टूर्नामेंट मेच में मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर एवं प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नरेंद्र शिवाजी पटेल, डॉ देवेंन्द्र धाकड़ पहुंचे अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय करते हुए ट्रांस कर बैटिंग की मेचं में सबसे पहले पत्रकारों ने बैटिंग कर 85 रन बनाए और नगर परिषद टीम को जीतने के लिए 86 रन का लक्ष्य दिया और नगर परिषद टीम ने 89 रन बनाकर जीत दर्ज की 7 सर्वप्रथम अतिथियों का आयोजक समिति द्वारा वेंच लगाकर स्वागत किया गया जिससे बाद कार्यक्रम में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकार गणों का लोकेंद्र प्रदेश मीडिया प्रभारी पाराशर एवं प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी नरेंद्र शिवाजी पटेल सहित आयोजक समिति द्वारा साल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया 7 मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने कहा कि प्रीमियर लीग टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट इन तीन महान भावों की स्मृति में आयोजित किया जाता है सबसे पहले आयोजक समिति को बधाई कि अपने पुरखों को मान देने का सम्मान देने और उनको स्मृति पटल पर रखने का अभियान है इसलिए आयोजक समिति साधुवाद के पात्र हैं क्रिकेट पर बोले जीवन और क्रिकेट एक जैसा है इसलिए क्रिकेट आत्मविश्वास के साथ संघर्ष की प्रेरणा देता है जीवन में अंतिम समय तक हार नहीं मानना चाहिए क्रिकेट कामयाबी का संदेश है 7 भाजपा प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा की सभी के सहयोग से चार साल से निरतर किकेट का आयोजन हो रहा है कार्यक्रम में प्रदेश से अतिथि अपना कीमती समय निकालकर पधार रहे हैं यह हमारे लिए गौरव की बात है वही भोपाल के जाने-माने न्यूरो सर्जन डॉ देवेंद्र धाकड़ ने पत्रकारों के सम्मान पर कहा कि लोकतंत्र का सबसे महतपूर्ण स्तंभ चौथा स्तंभ है जो हर पहलुओं पर नजर रखता है सभी पत्रकार बंधु सम्मान के पात्र हैं जिन्होंने कोरोना कल मैं भी अपनी जान की चिंता किए बिना देश और दुनिया के हालातों की खबरों को अखबार के माध्यम से घर-घर तक पहुँचाया 7 सभी पत्रकारों का अभिज्ञान नरेंद्र पटेल ने अभार जताया 7 इस बीच कार्यक्रम में क्षेत्रीय पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजय शर्मा, जिला सह-मीडिया प्रभारी रोहित चौधरी एवं पत्रकार गण, पार्षद गण, अधिवक्ता गण और बरिष्ठ नेता गण मौजूद रहे 7 मंच का संचालन निखिल खरे द्वारा किया गया 7 इस बीच

क्रिकेट के महाकुंभ का आगाज आज

आल इंडिया चैंपियन बनने वाली टीम को मिलेंगे 1 लाख

सिवनी– क्रिकेट जगत में सिवनी जिले की अपनी अलग पहचान बनाने वाले टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट सिवनी प्रीमियर लीग स्क्रप्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 24 दिसंबर से प्रारंभ होने जा रहा है पहले चरण में वेटरन वर्ग 40 वर्ष से अधिक आयु वाले खिलाड़ियों की सिवनी जिले की 16 टीमें शिरकत कर रही है।

शुभारंभ दिवस में सिवनी बॉयज क्लब ग्रीनसिटी, जय अम्बे सिक्योरिटी और हेल्थ क्लब आमने सामने होंगे ।

सिवनी प्रीमियर लीग के संयोजक काबिज खान ने बताया कि टूर्नामेंट की प्रारंभिक तैयारियां पहले ही पूर्ण कर की जा चुकी है सिवनी का मिशन स्कूल ग्राउंड क्रिकेट के महाकुंभ के लिए सजाया जा चुका है अब बस गेंदबाज और बल्लेबाज का अपना प्रदर्शन दिखाना बाकी है जिसमें सिवनी जिले की 16 टीमें क्रमशः शाइनिंग स्टार , सिवनी बॉयज, ग्रीन सिटी, सिटी बॉयज, ब्लूस्स्11, ए जे 11 , खेल क्लब लखनादौन , हेल्थ 11, पैंथर क्लब , लस्ट, राजपूताना, नाईट राइडर्स ब्लू, नाईट राइडर्स रेड, बॉयज क्लब , स्क्र गोपालगज, सद्भाव 11 टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट सफल संचालन हेतु अलग - अलग समिति और टेक्निकल टीम का गठन किया गया है वेटरन वर्ग में आसिफ पटेल, शान खान, आसिफ जरदारी को टूर्नामेंट संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। प्रतियोगिता के पहले दिन शनिवार को सिवनी बॉयज क्लब, ग्रीनसिटी, जय अम्बे सिक्योरिटी और स्वास्थ विभाग की टीम हेल्थ क्लब लीग मुकाबले खेलेंगी।

सिवनी की सरजमी में संपूर्ण भारत की टीमें भी करेंगी शिरकत

सिवनी प्रीमियर लीग के अध्यक्ष एडवोकेट नरेंद्र ठाकुर गुड्डू ने बताया कि संपूर्ण भारत और क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाने वाले सिवनी के टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट सिवनी प्रीमियर लीग स्क्रअपने 6 वे वर्ष की ओर अग्रसर है। जिला टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान एवं टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संरक्षण में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में इस बार संपूर्ण भारत की टीमों को भी प्रवेश दिया जा रहा है जो इस वर्ष का सबसे रोमांचक बदलाव है। गौरतलब हो की पिछले 5 सीजनो में अब तक सिर्फ सिवनी के क्लबों को टूर्नामेंट में प्रवेश दिया जाता रहा है जिसमें एक टीम में सात खिलाड़ी सिवनी जिले के तो वही चार खिलाड़ी भारत के किसी भी जगह के खेल सकते थे किंतु टूर्नामेंट की भव्यता को देखते हुए सीजन सिक्स में कुछ बदलाव किए जा रहे हैं इस बार सिवनी की क्रिकेट प्रेमी दर्शक एवं खेल प्रेमी जनता देश भर से आमंत्रित टीमों को भी ट्राफी के लिए ग्राउंड में पसीना बहाते देखेगी।

आज राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस*

खण्डवा 23 दिसम्बर, 2022 - जिले में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम 24 दिसम्बर को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बड़ाबम खण्डवा के सभाकक्ष में आयोजित किया जायेगा। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 517 ज.सं./भोविप्रा./ 22 भोपाल, दिनांक 23/12/2022

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की महाराणा प्रताप नगर जोन-1 स्थित भूखण्ड क्र.-206, श्री राजीव वाधवा श्री संजीव वाधवा, श्री रोहित वाघवा एवं श्री मनीष झा के संयुक्त नाम पर अंकित है। आवंटी के मुख्तारआम उक्त भूखण्ड पर निर्मित ऑफिस नं. - जी- 2 ग्राउण्ड फ्लोर जिसका क्षेत्रफल 203 वर्गफुट का विक्रय दिनांक 26.03.2006 कुमारी दीपिका ललवानी पुत्री श्री अर्जुनदास ललवानी को कर विक्रय पत्र पंजीकृत किया गया । कुमारी दीपिका ललवानी पुत्री श्री अर्जुनदास ललवानी द्वारा प्रस्तुत पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त ऑफिस नं. - जी- 2 ग्राउण्ड फ्लोर जिसका क्षेत्रफल 203 वर्गफुट का नामान्तरण / नाम सम्मिलित अपने नाम पर चाह्य रहा है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से सात दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य / दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी दावा / आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा / आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी तथा प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वंतत्र रहेगा ।

राजस्व अधिकारी

नहीं सुधर रहा अस्पताल का ढर्रा, प्रसूता के इलाज में बरती लापरवाही, प्रसव के बाद नवजात शिशु की मौत

सीहोर। जिला अस्पताल के बिगड़ा हुआ ढर्रा सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। महिला चिकित्सक प्रसूता के लिए अस्पताल में आने वाली महिलाओं से प्राइवेट क्लीनिक में आने का दबाव बनाती हैं, जो महिलाएं उपचार के लिए महिला डॉक्टरों के क्लीनिकों पर नहीं जाती हैं। अस्पताल में पहुंचने पर ऐसी महिलाओं के उपचार में लापरवाही बरती जाती है। ऐसे ही एक मामले में एक प्रसूता महिला के उपचार में लापरवाहीं किए जाने पर प्रसव होने पर नवजात शिशु की जान नहीं बच सकी। जिला अस्पताल में सुचारू इलाज नहीं मिलने से महिला के प्रसव के कुछ देर बाद ही नवजात शिशु की मौत हो गई। जिसको लेकर परिजनों ने महिला चिकित्सक और अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं इसके संबंध में कलेक्टर से शिकायत कर जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता ग्राम बिजोरी में रहने वाली आशा नागर ने बताया कि 18 दिसंबर को उनकी भाभी रितु नागर को जिला अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया गया था। इस दौरान उन्हें लेबर पेन हो रहा था, लेकिन जिला अस्पताल स्थित मेटरनिटी वार्ड में स्टाफ और महिला चिकित्सकों द्वारा उपचार में लापरवाही बरती गई। सही समय पर प्रसूता का उचित उपचार नहीं किया गया। यहां पर पदस्थ महिला चिकित्सक निधि अग्रवाल द्वारा कहा गया कि मेरे प्राइवेट क्लीनिक पर आकर दिखाओ मैं तुम्हारा सुरक्षित प्रसव करा दूंगी। और डा निधि अग्रवाल ने अपने मोबाइल नम्बर की पर्ची प्रसूता को दी और निजी क्लीनिक पर आने का दबाव डाला।महिला के परिजनों ने आरोप लगाए कि जब हम लोग निजी क्लीनिक पर नहीं ले गए तो सही से उपचार नहीं किया गया। प्रसूता को दर्द आने के बाद भी आपरेशन नहीं किया गया। 22 दिसम्बर को प्रसूता का आपरेशन किया गया, जब तक काफी देर हो गई थी और डिलेवरी के कुछ समय बाद ही बच्चे की मौत हो गई। शिकायतकर्ता आशा नागर का आरोप है कि महिला चिकित्सक निधि अग्रवाल की लापरवाही के कारण नवजात शिशु की मौत हुई है यदि पहले ही आपरेशन हो जाता तो यह घटना नहीं होती। इस पूरे मामले की शिकायत आशा नागर ने कलेक्टर से की है, और जिला अस्पताल में लगी शिकायत पेटी में लिखित शिकायत देकर मामले की जांच की मांग की है।

कहा- सुनी के बाद हुई फायरिंग, नाराज अज्ञात ग्रामीण ने चढ़ा दी कार, गंभीर घायल को किया भोपाल रेफर

सीहोर। जिला मुख्यालय के नजदीकी ग्राम सिराड़ी में उस समय भय, आतंक और दहशत का माहौल अचानक निर्मित हो गया। जब एक व्यक्ति ने दोपहर में हुई कहासुनी के बाद शाम को हवाई फायरिंग कर दी और कुछ लोगों को डराने धमकाने का प्रयास किया। इसी अफरा-तफरी में अचानक कार चालक ने इस व्यक्ति के ऊपर कार चढ़ा दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार नजदीकी ग्राम सिराड़ी में दोपहर में कुछ लोगों के बीच कहा-सुनी हो गई थी। जिसके बाद शाम को रवि नामक युवक ने हवाई फायरिंग की और गांव में दहशत का वातावरण निर्मित कर दिया। हवाई फायरिंग के बाद गांव में अफरा-तफी का माहौल बन गया। तभी किसी कार चालक ने रवि नामक व्यक्ति पर कार चढ़ा दी। सूत्र बता रहे हैं कि कार की टक्कर से रवि गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसका उपचार भोपाल के अस्पताल में चल रहा है। मामले में पुलिस खुलकर कुछ भी नहीं कह रही है, लेकिन पुलिस सूत्र बता रहे हैं कि जिस रवि नामक व्यक्ति को टक्कर लगी है और वह गंभीर है उसके विरुद्ध पुलिस थाने में पूर्व में 5 मामले दर्ज है। इस संबंध में थाना दोराहा के प्रभारी टीआईशैलेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि रवि नामक व्यक्ति किसी वाहन की टक्कर से घायल है उसका उपचार भोपाल के अस्पताल में चल रहा है।

न्यायालय श्रीमान (मनोज कुमार श्रीवास्तव) प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय सिवनी (मप्र) अंतर्गत आदेश 5 नियम 20 सी.पी.सी के तहत

इस्तहार

व्यवहार अपील क्रं.- आरसीए 69 / 2019 सुनवाई दिनांक 09/01/2023

श्रीमति कमला पन्द्रे पत्नि स्व. श्री मीरसिंह पन्द्रे उम्र 70 वर्ष, निवासी गहलोद भवन के बाजू में शास्त्रीवार्ड बबरिया रोड सिवनी तहसील व जिला सिवनी (मप्र). .....अपीलार्थी

विरूद्ध

दशरथ आ. हंसराज डहेरिया उम्र लगभग 58 वर्ष, निवासी तिकोना हनुमान मंदिर के पास बारापत्थर सिवनी, तहसील व जिला सिवनी म.प्र. - मृत

द्वारा विधिक वारसान,

1. मुकेश आ. स्व. दशरथ डहेरिया उम्र लगभग 40 वर्ष, 2. श्रीमति संगीता पत्नि भोपत डहेरिया उम्र लगभग 38 वर्ष, 3. श्रीमति पूजा आ. स्व. दशरथ डहेरिया उम्र लगभग 34 वर्ष, 4. कु. शोभा आ. स्व. दशरथ डहेरिया उम्र लगभग 29 वर्ष, 5. श्रीमति कृष्णाबाई पत्नि स्व. दशरथ डहेरिया उम्र लगभग 60 वर्ष, सभी निवासी शास्त्री वार्ड, बिहार मंदिर के पीछे, गायत्री मंदिर के पास बारापत्थर सिवनी, तहसील व जिला सिवनी म.प्र., 6. म.प्र. शासन द्वारा जिलाध्यक्ष सिवनी, तहसील व जिला सिवनी म.प्र. ..... उत्तरवादीगण

बनाम

(प्रेषिती) श्रीमति संगीता डेहरिया उम्र 40 वर्ष पति भोपत डेहरिया, निवासी न्यू शिवनगर, आनंदनगर, बिजली कालौनी के पीछे झुग्गी झोपड़ी भोपाल जिला भोपाल (म0प्र0) 46202.2.....उत्तरवादी क्रमांक-2

क्योंकि उपरोक्त अपीलार्थी ने आप उत्तरवादीगण के विरूद्ध इस न्यायालय में न्यायालय श्रीमान जिला न्यायाधीश महोदय सिवनी के न्यायालय के द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग एक पीठासीन अधिकारी कु. स्नेहा सिंह के न्यायालय के व्यवहार वाद कं0 1525/2015 में पारित निर्णय / आज्ञप्ति दिनांक 30.09.2019 के विरूद्ध अपील पेश किया है, और अपील की सुनवाई दिनांक 09.01.2023 को पेशी नियत है।

अतः तुम्हें इस समंस के जरिये हुक्म दिया जाता है कि तुम इस अदालत में दिनांक 09.01.2023 को ठीक दिन के 11.00 बजे खुद या ऐसे अधिवक्ता के माध्यम से जिसे मुकदमें की बातें ठीक ठीक तौर से समझा दी हो और मुकदमें के बारे में कुछ जरूरी सवाल के जबाव देने के लिये हाजिर होवें और साथ ही अपने मामले से संबंधित कागजात जिन पर तुम अपने मुकदमें भरोसा रखते हो पेश करें।

तुम्हें ताकीद दी जाती है कि तुम दिनांक 09.01.2023 को मचकूर पर उपस्थित न हो सकें तो तुम्हारी अनुपस्थिति में मुकदमें की सुनवाई होकर उसका निराकरण किया जायेगा ।

यदि उपरोक्त दिनांक को न्यायालय का अवकाश घोषित होता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्यदिवस में की जायेगी ।

आज दिनांक 20.12.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं अदालत की मोहर सेजारी किया गया।

सील एवं मोहर

(मनोज कुमार श्रीवास्तव)
प्रधान जिला न्यायाधीश सिवनी (मप्र)

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिकी विभाग मुख्यालय गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल)
निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र. ..../यां. वि./2022 भोपाल दिनांक 24.12.2022

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर	कार्य की अविध
1	2022_UAD_238795_1	ASPHALTING WORK AT JAIN MANDIR TO BALAJEE CHAT BHANDAR WARD NO.21 Z-02	5,24,745/-	5,247/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months
2	2022_UAD_238782_1	ASPHALTING WORK AT LOHA BAZAR TO JUMERATI GATE WARD NO.21 Z-02	8,03,088/-	8,031/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months
3	2022_UAD_238779_1	ASPHALTING OF ROAD AT POLICE CHOWKI PEER GATE TO LAKHERAPURA JAMA MASJID ROAD WARD NO.21 Z-02	4,33,485/-	4,335/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months
4	2022_UAD_238812_1	ASPHALT RENEUAL WORK FROM HARIJAN BASTI TO RAM MANDIR ROAD TEELAJAMALPURA W-13 Z-03	8,16,975/-	8,170/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months
5	2022_UAD_238849_1	ASPHALT ROAD NEAR M.P ONLINE SHOP TO WARD OFFICE AND NEAR KUBAIR DAIRY TO MARYDOLL SCHOOL IN W-13 Z-3	6,21,011/-	6,210/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months
6	2022_UAD_238865_1	ASPHALT RENEUAL WORK FROM BHAGAT SINGH CHOWRAHA TO BASOD BASTI SHAUCHALAYA TEELAJAMALPURA W-13 Z-03	7,94,894/-	7,949/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months
7	2022_UAD_238878_1	ASPHALT RENEUAL WORK IN RBI COLONY TEELAJAMALPURA W-13 Z-03	6,98,052/-	6,981/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months
8	2022_UAD_238801_1	ASPHAL TING WORK AT JAHANGIRIYA SCHOOL SQUARE TO IMAMBADA WARD NO. 21 Z-02	8,73,565/-	8,736/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M. (time) 21.12.2022 (date) to 17:30P.M. (time) 04.01.2023(date).
3. Amendments to NIT (if any) would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.The initial period of 5(Five) year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

नि.क्र. 1013/022/023

Executive Engineer
Municipal Corporation Bhopal District Bhopal

फ्लिपकार्ट ने ग्राहकों के लिए आफ्टर-सेल्स सेवाओं को आसान बनाने के लिए शुरू की होम प्रोडक्ट सर्विस

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज अपनी प पर होम प्रोडक्ट सर्विस शुरू करने की घोषणा की है जो ग्राहकों को प्रोडक्ट रिपेयर, मेंटीनेंस तथा इंस्टॉलेशन जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। इन आफ्टर-सेल्स सेवाओं को फ्लिपकार्ट की सर्विस आर्म जीव्स के मार्फत उपलब्ध कराया गया है जो कि ग्राहकों एवं कारोबारों के लिए संपूर्ण पोस्ट-परचेज़ सर्विस सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है। ग्राहक अब फ्लिपकार्ट की भरोसेमंद प पर खरीदारी के अलावा झंझटमुक्त रिपेयर, मेंटीनेंस और इंस्टॉलेशन सेवाओं का भी लाभ उठा सकेंगे जो कि प की 'रिपेयर एंड मोर'कैटेगरी के जरिए उपलब्ध हैं। इन सेवाओं को सभी प्रकार के होम प्रोडक्ट्स के लिए उपलब्ध कराया गया है, बेशक वे कहीं भी खरीदे गए हों। ग्राहकों को मोबाइल्स, होम एप्लायंसेज़, टैबलेट्स, लैपटॉप्स, फर्नीचर, कंज्यूमर इलैक्ट्रॉनिक्स समेत अन्य कई उत्पादों के मामले में प्रशिक्षित एक्सपर्ट्स के जरिए ये सेवाएं मिलेंगी। 300 से अधिक वॉक-इन सर्विस सेंटर्स,1000+सर्विस पार्टनर्स,9,000+ प्रशिक्षित इंजीनियरों तथा 400 शहरों में उपलब्ध जीव्स ग्राहकों को देश के दूरदराज तक के इलाकों में भी आफ्टर-सेल्स सेवाएं उपलब्ध कराएगा। ये सेवाएं 90 से ज्यादा नेशनल और इंटरनेशनल ब्रैंड्स के 40 से अधिक श्रेणियों में उपलब्ध उत्पादों पर प्रदान की जाएंगी जो कि ग्राहकों के लिए भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करने की जीव्स की क्षमताओं को दोहराता है। ग्राहकों को प्रशिक्षित तकनीशियनों से सुविधाजनक और एक्सपर्ट सेवाओं के साथ-साथ उचित दाम पर असली स्पेयर पार्ट्स आदि भी उपलब्ध होंगे।फ्लिपकार्ट होम प्रोडक्ट सर्विसेज़ के लॉन्च के बारे में, डॉ निपुण शर्मा, सीईओ, जीव्स, फ्लिपकार्ट ग्रुप ने कहा, जीव्स में हम लगातार कुशल, ग्राहक-केंद्रित संपूर्ण सेल्स सेवाएं प्रदान करने की कोशिश करते हैं। हमें इस बात का बखूबी अहसास है कि ग्राहकों को असंगठित और ऑफलाइन सेवा प्रदाताओं से सेवाएं लेने में किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब फ्लिपकार्ट प पर होम प्रोडक्ट सर्विसेज़ के उपलब्ध होने के बाद वे अपने होम प्रोडक्ट्स के लिए सुविधाजनक, भरोसेमंद और किफायती ऑफ्टर सेल्स सर्विसेज़ चुन सकेंगे और इनके साथ उन्हें सर्विस गारंटी भी मिलेगी। जीव्स ने ग्राहकों के लिए ये सेवाएं प्रशिक्षित तकनीशियनों के मार्फत उपलब्ध करायी हैं जो बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिहाज़ से पूरी तरह से सुसज्जित हैं और आफ्टर सेल्स सेवाओं के क्षेत्र में भरोसेमंद पार्टनर्स साबित होंगे।

अरे मागू ये क्या कर दिया आपने, मिलिए मिस्टर मागू से जो आपको अपनी एक अनोखी दुनिया में ले जाएंगे

मुंबई, एजेंसी। मिस्टर मागू आत्मनिर्भर होने में यकीन करते हैं और इस कारण वो अक्सर खुद और अपने आस पास वाले लोगों को मुश्किल में डाल देते हैं। छोटे कद के धनवान और बुजुर्ग, मिस्टर मागू एक रिटायर्ड व्यक्ति हैं, जो अपनी पास की नजर कमजोर होने के कारण अक्सर मुश्किलें पैदा कर देते हैं। अपने कामों से वो फिज़ की क्रेज़ी योजनाएं बिगाड़ देते हैं,जो हमेशा दुनिया के सामने खुद को सबसे ज्यादा योग्य साबित करने की कोशिश करता रहता है। देखिए मिस्टर मागू और और उनकी अनोखी दुनिया केवल सोनी ये! पर,जो आपको हँसाते-हँसाते लोटपोट कर देंगी!

हेल्थकेयर में 5जीः एयरटेल, अपोलो हॉस्पिटल्स, एडब्ल्यूएस ने भारत का पहला 5जी संचालित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी टेलिकम्युनिकेशन्स सर्विस प्रोवाइडर भारती एयरटेल और एशिया में सबसे प्रतिष्ठित एकीकृत स्वास्थ्य सेवा संगठन, अपोलो हॉस्पिटल्स ने आज 5जी और एआई द्वारा संचालित होने वाले भारत के पहले कोलोनोस्कोपी परीक्षण को पूरा करने की घोषणा की। इस परीक्षण में कोलन कैंसर का अधिक तेज़ी से और सटीक रूप से पता चला, जिसका श्रेय एयरटेल की 5जी तकनीक पर एआई के परीक्षण के उपयोग को जाता है, जिसमें बेहद लो लेटेंसी और हाई प्रोसेसिंग पॉवर होती है। इन परीक्षणों पर एक साथ काम करने के लिए हेल्थनेट ग्लोबल, एडब्ल्यूएस और अवेशा कंपनियां भी शामिल थीं। एआई-निर्देशित कोलोनोस्कोपी के कारण, इमेज प्रोसेसिंग वास्तविक समय में और बिना किसी देरी के हुई, तब भी जबकि डॉक्टर ने कोलन के माध्यम से स्कोप को उपयुक्त कॉलोनिक क्षेत्र के ऊपर उपरिशायी करने के लिए स्थानांतरित किया। इस तकनीक के आने से, डॉक्टरों के पास अब आंखों की अतिरिक्त जोड़ी है और पुर्वगंकों का पता लगाने की दर में वृद्धि हुई है, जिससे जीवन को बचाया जा सकेगा और रोगी की बेहतर देखभाल होगी। प्रचलित प्रोटोकॉल के अनुसार कोलोनोस्कोपी एक हाथ से की जाने वाली प्रक्रिया है और कोलन कैंसर का सटीक पता लगाने का एकमात्र तरीका है। इसमें चिकित्सा पेशेवरों से बहुत समय और ध्यान देने की भी आवश्यकता होती है। यह प्रक्रिया एक उपकरण द्वारा की जाती है, जो रोशनी,कैमरा और औजारों से लैस एक हल्की लचीली नलिका होती है, जिससे नमूने निकालकर संक्रमित पुर्वंगक की पहचान की जाती है। 35 से 40 मिनट चलने वाली यह प्रक्रिया न केवल लंबी है बल्कि इस प्रक्रिया में शामिल रोगियों और डॉक्टरों और नर्सों के लिए काफी असुविधाजनक भी है।

गांधार ऑयल रिफाइनरी लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। उपभोक्ता और हेल्थकेयर एंड-इंडस्ट्रीज पर बढ़ते ध्यान के साथ राजस्व की दृष्टि से व्हाइट ऑयल्स की अग्रणी निर्माता, गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ?357 करोड़ तक का फ्रेश इश्यू एवं विक्रेता शेयरधारकों के 12,036,380 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है।ऑफर फॉर सेल में प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स (रमेश बाबूलाल पारेख, कैलाश पारेख और गुलाब पारेख) के 6.75 मिलियन इक्विटी शेयर और मौजूदा निवेशकों (ग्रीन डेजर्ट रियल एस्टेट ब्रोकर्स, डेनवर बिल्डिंग मैट एंड डेकोर टीआर एलएलसी, फ्लीट लाइन शिपिंग सर्विसेज एलएलसी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड और श्री अमिताभ मिश्रा सहित) 5.27 मिलियन इक्विटी शेयर शामिल हैं। कंपनी ने फ्रेश इश्यू से होने वाली शुद्ध आय का उपयोग अग्रलिखित कार्यों की फंडिंग के लिए करने का प्रस्ताव दिया है क) बैंक ऑफ बड़ौदा से टेक्सोल द्वारा प्राप्त ऋण सुविधा के पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान के वित्तपोषण के लिए ऋण के माध्यम से टेक्सोल में निवेश; ख) तलोजा संयंत्र में पेट्रोलियम जेली और संबंधित कॉस्मेटिक उत्पाद प्रभाग की क्षमता में विस्तार; और हमारे तलोजा संयंत्र में सम्मिश्रण टैंक स्थापित करके व्हाइट ऑयल्स की क्षमता में विस्तार के लिए आवश्यक उपकरण एवं सिविल कार्य की खरीद के जरिए पूंजी व्यय; ग) हमारी कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का वित्तपोषण; और डी) सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य।गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) लिमिटेडवित्त वर्ष22 में घरेलू और विदेशी बिक्री सहित राजस्व के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी व्हाइट ऑयल्स निर्माता है और कैलेंडर वर्ष21 (स्रोत: क्रिसिल रिपोर्ट) में बाजार हिस्सेदारी की दृष्टि से वैश्विक स्तर पर शीर्ष पांच कंपनियों में से एक है। 30 जून, 2022 तक, प्रोडक्ट सूट में मुख्य रूप से पर्सनल केयर, हेल्थकेयर और परफॉर्मेंस ऑयल्स (पीएचपीओ), लुब्रिकेंट्स और प्रोसेस एवं इंसुलेटिंग ऑयल्स (पीआईओ) डिवीजनों में दिव्योल ब्रांड के तहत 350 से अधिक उत्पाद शामिल रहे हैं। उत्पादों का उपयोग उपभोक्ता, स्वास्थ्य देखभाल, मोटर वाहन, औद्योगिक, बिजली और टायर और रबर क्षेत्रों में अंतिम उत्पादों के निर्माण के लिए किया जाता है।

पुण्यस्मरणः मोतीलाल वोरा- कुशाग्रता पर भारी एक कर्मठ व्यक्तित्व!

जयराम शुक्ल

कविवर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था- जो पीढ़ी अपने पूर्वजों का इतिहास विस्मृत कर देती है, उसका वर्तमान अभिशप्त और अपाहिज हो जाता है। मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री और विनयशील कर्मठता के पर्याय रहे मोतीलाल वोरा जी भी वैसे ही बिसरा दिए गए जैसे कि एक दिन पूर्व बीती पुण्यतिथि पर देश के तिलस्मी प्रधानमंत्री रहे पीव्ही नरसिंहराव। 21 दिसंबर को वोरा जी की पुण्यतिथि चुपचाप शीतलहर सी गुजर गई। न कहीं श्रद्धा के सुमन, न कहीं सार्वजनिक जीवन के योगदान के संस्मरण..।

बहरहाल ऐसे गाढ़े दिनों का सच्चा हितैषी फेसबुकावतार धारण करके इस जग-जंगम में आया है, जो बीते को बिसरने नहीं देता। वोरा जी के साथ मेरे न बिसरने वाले कई संस्मरण हैं जो समय-बेसमय स्मृतिपट पर पुरानी फिल्मों सा बार-बार रिलीज होते रहते हैं..यथा–

मार्च 1985 के दूसरे हफ्ते जब मोतीलाल वोरा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के तौरपर शपथ ली तो दूसरे दिन अखबार की सुर्खियों में उनकी योग्यता, कर्मठता के बखान की जगह परिस्थितिजन्य व खड़ाऊँ मुख्यमंत्री का विशेषण मिला। बात स्वाभाविक भी लगती थी। 11मार्च को अर्जुन सिंह ने दूसरी बार शपथ ली, लेकिन राजीव गांधी को जाने क्या सूझा कि उन्हें दूसरे दिन ही चंडीगढ़ के राजभवन में बतौर राज्यपाल शपथ लेने का हुक्म जारी कर दिया।

वोराजी मध्यप्रदेश की राजनीति में दूसरी पंक्ति के नेता थे। उनकी हैसियत का आँकलन इससे लगा सकते हैं कि 80-85 के कार्यकाल में दिग्विजय सिंह कैबिनेट मंत्री सिंचाई थे जबकि वोराजी राज्यमंत्री उच्च शिक्षा। फिर प्रदेश के नेताओं में केंद्र में माधवराव सिंधिया और कमलनाथ जैसे हैवीवेट नेता थे। इन स्थितियों के चलते वोराजी को मुख्यमंत्री के लिए चयनित करना सभी को अस्वाभाविक लगा लिहाजा अर्जुन सिंह के खड़ाऊँ मुख्यमंत्री का विशेषण मिल गया।

वरिष्ठ पत्रकार के.विक्रमराव लिखते हैं कि यद्यपि अर्जुन सिंह ने अपनी आत्मकथा में लिखा- राजीव गांधी ने उत्तराधिकारी सुझाने के लिए कहा तो उन्होंने मोतीलाल वोरा जी का नाम आगे बढ़ा दिया, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। वोराजी वस्तुतः राजीव गांधी की ही पसंद थे। वे वोराजी की मेहनत और सादगी के मुरीद थे। किसी भी नेता के प्रभाव का आँकलन करने का उनका एक निजी फीडबैक सिस्टम था।

वोराजी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे इस नाते वे इसबार अर्जुन सिंह की मंत्रिपरिषद में सीधे-सीधे कैबिनेट मंत्री के आकांक्षी थे लेकिन वे इस असमंजस थे कि उन्हें रखा भी जाएगा कि नहीं। लेकिन किस्मत की बाजी शायद इसे ही कहते हैं जो ऐनवक्त पर पलट गई और वे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए। जाहिर है मंत्रिमंडल गठित करने में वोराजी की रत्तीभर नहीं चली। मंत्रिमण्डल में ज्यादातर अर्जुन सिंह भक्तों को ही जगह मिली। शायद ही वोराजी ने अपने से किसी को नामित किया हो। शुरूआती एक वर्ष हाल यह कि बल्लभभवन को सीधे चंडीगढ़ से अर्जुन सिंह के दूतों के जरिए संदेशनुमा आदेश मिलते थे। वोराजी को सिर्फ अमल करना होता था।

राजनीति अपने साथ सकल गुण लेकर सत्ता मिलने के साथ पैतरे सिखाते हुए चलती है। वोराजी को खड़ाऊँ तत्काल उतारकर फेकनी थी। राजीव गांधी का वरदहस्त तो था ही उनपर हाँ उन्हें किसी जामवंत की तलाश थी..। उनदिनों सेठीजी हाशिये पर जा चुके थे और श्यामाचरण शुक्ल कांग्रेस से बाहर थे, लिहाजा माधवराव सिंधिया पर उनकी नजरें टिकीं। सिंधिया जी अटलबिहारी वाजपेयी को ग्वालियर से हराकर केन्द्र में मंत्री होते हुए राजीव गांधी की कोटरी के सदस्य थे।

मोती ने माधव को साधना शुरू किया..अर्जुन सिंह से खार खाए बैठे सिंधिया जल्दी ही सध गए.. और फिर यही जोड़ी मीडिया में मोती-माधव एक्सप्रेस के नाम से सरनाम हुई।

वोराजी की मंत्रिपरिषद में अर्जुन सिंह के पुराने पट्ठे अखाड़ा बदलने की फिराक में थे..। इन सबके अगुआ बने कैप्टन जयपाल सिंह जो पिछले मंत्रिमण्डल में अर्जुन सिंह की कृपा से संसदीय सचिव व उपमंत्री थे। वोरा मंत्रिमंडल में कैप्टन गृह व परिवहन राज्यमंत्री थे। कैप्टन ने वोराजी में अलग लाइन खीचने के लिए जोश भरा।

वोराजी खोल से बाहर आने लगे इधर बाहर वो दिग्गज माला लिए खड़े थे जो बेटिकट मुसाफिर की तरह दो साल से फड़फड़ा रहे थे। 85 के चुनाव में कृष्णपाल सिंह, श्रीनिवास तिवारी, हजारीलाल रघुवंशी जैसे दर्जनों नेताओं की टिकट काट दी गई थी। वोराजी सोशलिस्टी पृष्ठभूमि के थे लिहाजा ऐसे सभी नेता जो सोशलिस्ट छोड़कर आए थे उनके निकट आते गए।

खड़ाऊ मुक्त और अलग अस्तित्व वाले पूरपार मुख्यमंत्री बनने में वोराजी को दो वर्ष का समय लगा यानी कि 1987 तक। अब आगे की कहानी में यह कि एक पत्रकार के रूप में वोराजी से मेरा कैसे साबिका पड़ा..। वह इसलिए कि वोराजी का पहला बैटलफील्ड विंध्य ही बनने वाला था जो अर्जुन सिंहजी की मातृभूमि है।

2 फरवरी 1985 को विंध्य के सतना शहर से तब का सबसे प्रभावी अखबार देशबंधु लांच हुआ। मायाराम सुरजन जिन्हें हम सब बाबूजी का सम्मान देते थे, ने एक संस्मरण में बताया था कि वे इस अखबार को रीवा से लांच करना चाहते थे..लेकिन रेल हेड न होने की वजह से सतना का चयन करना पड़ा। सुरजन जी खुले मुँह स्वीकार करते थे कि देशबंधु को विंध्य लाने के पीछे अर्जुन सिंह की ही प्रेरणा थी। दबी जुबान यह भी कहा जाता था कि इसके लिए आर्थिक बंदोबस्त भी अर्जुन सिंह का ही था।

वैसे इसकी दो साफ वजहें थीं पहली यह कि दैनिक जागरण के गुरुदेव गुप्तजी श्यामाचरण जी के निकटतम थे। वे दो बार राज्यसभा सदस्य रह चुके थे अर्जुन सिंह के विरोधी खेमे के वे नेताओं में माने जाते थे।

दैनिक जागरण समय बे समय अर्जुन सिंह की 'खबर' लेता भी रहता था। दूसरे अर्जुन सिंह जी सतना में अपनी संसदीय राजनीति देख रहे थे क्योंकि रीवा से महाराज मार्तण्ड सिंह कांग्रेस से लोकसभा लड़ते थे। अर्जुन सिंह ने सतना से पहला लिटमस टेस्ट किया भोपाली मियां अजीज कुरैशी को लड़ाकर। उन्हें बैरिस्टर गुलशेर अहमद को ठिकाने लगाकर अपनी जमीन तैयार करना था। अजीज कुरैशी सतना पर्चा भरने आए और दुबारा लोकसभा के निर्वाचित प्रत्याशी का प्रमाण पत्र लेने..। इसके अलावा उनका सतना से कोई वास्ता नहीं था। फिर अर्जुन सिंह यहीं से 1991 का लोकसभा चुनाव लड़ा।

1984 में जबलपुर विश्वविद्यालय से पत्रकारिता की डिग्री लेकर ऊँचे ख्वाब पाले मैं मुँबई पहुंचा.. वहां बैनेट कोलमैन जो टाइम्स आफ इंडिया समूह चलाता है उसका प्रशिक्षु बनकर। उन दिनों किसी भी पत्रकार के लिए यह सर्वोच्च अवसर माना जाता था। लेकिन किस्मत कब कोई बिसात पलट दे कहा नहीं जा सकता।

टाइम्स समूह में भीषण हड़ताल चली जो छह महीने जारी रही। मैं जबलपुर लौट आया। अगले महीने ही इंदिरा जी की हत्या हो गई। जबलपुर में सिख विरोधी हिंसा भड़क उठी और मेरा दोबारा मुँबई जाना अनंतकाल के लिए टल गया। इसी बीच अखबारों देशबंधु के सतना संस्करण का इश्तहार देखा।

कुछ महीने जबलपुर में देशबंधु सांध्य संस्करण में काम करने के बाद सतना संस्करण से जुड़ गया। अर्जुन सिंह जी के राज्यपाल बन जाने के बाद चुरहट उपचुनाव को कवर करने मोर्चे पर लगा दिया गया। इस चुनाव में पहली बार अजयसिंह राहुल चुनाव जीते।

इसके बाद मेरा मुख्यालय रीवा हो गया। अखबार भले ही सतना से छप रहा हो पर विंध्य का दिल तो रीवा में धड़कता था। सो यहां की पत्रकारिता शुरू हुई। अर्जुन सिंह से जुड़े हर राजनीतिक मसलों की रिपोर्टिंग का दायित्व तो था ही..कुछ दिन बाद स्थिति यह बनी कि उनसे मेरे सीधे संवाद होने लगे। वे लैंडलाइन पर सीधे फोन करते व यहां की राजनीतिक ब्रीफिंग प्राप्त करते।

इस बीच एक बड़ी घटना हुई। 21सितंबर 1987 को टीआरएस कालेज के छात्रों पर भीषण लाठी चार्ज हुआ। छात्र फीस माफी को लेकर हड़ताल कर रहे थे। प्रशासन सुन नहीं रहा था। एक दिन सभी छात्रनेता मेरे पास आए और जुगत पूछी मैंने..मजाक में ही सुझा दिया कि मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्रियों का गदहा जुलूस निकालो पूरे देश में छा जाओगे।

दूसरे दिन वोराजी समेत सभी मंत्रियों की नाम लिखी पट्टियां गदहों के गले में डालकर जुलूस निकलपड़ा। किसी बैठक के सिलसिले में सर्किट हाउस में संभागभर के कलेक्टर एसपी थे। बस क्या..! रीवा के तत्कालीन कलेक्टर एचके मीणा(अब स्वर्गीय) व एसपी एसएच खान ने छात्रों को सबक सिखाने का हुक्म दिया। उत्साही पुलिस वालों ने छात्रों को ही क्या छात्राओं, अध्यापकों सबको सबक सिखा दिया। छात्रों पर तड़ातड़ पड़ती लाठियां देखकर मुझसे भी नहीं रहा गया मैं भी प्रतिकार करते नारे लगाते छात्रों के बीच घुस गया। आठ दस लाठियां मुझे भी पड़ी, बाँए हाथ में फैक्चर हो गया। बस क्या, लगे हाथ ' एक पत्रकार पर हमला, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कुचली गई' जैसा मुद्दा भी उठ खड़ा हुआ।

इस आंदोलन की गूंज पूरे देश में हुई। मध्यप्रदेश में अर्जुन सिंह समर्थक 36 विधायकों ने आंदोलन के समर्थन में हस्ताक्षरित पत्र लिखकर अपनी ही सरकार को आड़े हाथों लिया। वोराजी तक ब्रीफिंग पहुंची कि यह उनके खिलाफ एक अभियान है जिसमें एक पत्रकार(यानी मेरी) की सूत्रधार की भूमिका है।

अब यहां से वोराजी के व्यक्तित्व का वह स्वरूप जो उन्हें महान बनाता है देखने को मिला। वोराजी मेरी शिकायत मालिक यानी मायाराम सुरजन या संपादक श्यामसुंदर शर्मा से करने की बजाय। सीधे मुझसे बातकी, मुझपर पड़ी लाठियों के प्रति अफसोस व्यक्त किया..और कहा कल ही रामकिशोर शुक्ल जी आपसे मिलने पहुँचेंगे।

रामकिशोर जी वित्तमंत्री के साथ ही सरकार में दूसरे नंबर की हैसियत में थे। वे रीवा के प्राख्यात डाक्टर सीबी शुक्ल के साथ उनकी फिएट में मुझसे मिलने मेरे कमरे आए। शुक्ल जी से मैंने कहा- बाबूजी इसमें किसी का राजनीतिक टूल बनने जैसी बात ही नहीं पत्रकारिता के कौतुक में यह सब कैसे हो गया मैं भी हतप्रभ हूँ। बहरहाल मुख्यमंत्री वोराजी ने दूसरे ही दिन जाँच के लिए न्यायिक आयोग गठित कर दिया। संभवतः यह पहली घटना रही होगी जब महज लाठीचार्ज की जाँच को लेकर कोई आयोग बैठा हो..नहीं तो अमूमन ऐसे मामलों को मजिस्ट्रीरियल जाँच ही निपटा देती है।

संवेदनशील राजनेता का तमगा लिए भले ही कोई फिरे पर निजीतौर पर वोराजी से संवेदनशील मुख्यमंत्री मैंने आज तक नहीं देखा। एक बार वोराजी का बयान छपा कि मध्यप्रदेश में कोई भूखा प्यासा नहीं सोएगा..। दूसरे दिन ही गोविंदगढ के संवाददाता ने खबर भेजी कि..एक बेसहारा आदमी भूख से मर गया। मैं खुद वहां जाकर स्पाट रिपोर्टिंग की और अखबार में शीर्षक दिया- लेकिन मुख्यमंत्री जी फते मोहम्मद तो भूख से ही मरा। खबर का तत्काल संग्यान लिया गया। प्रमुख सचिव के स्तर के अधिकारी को जाँच के लिए भेजा। तीसरे दिन ही हर पंचायतों में पर्याप्त मात्रा में रिजर्व राशन भेजा गया ताकि ऐसी स्थिति में तत्काल राशन मुहैया कराया जा सके।

ऐसी कई घटनाएं हैं जब मुख्यमंत्री ने अखबार की खबरों पर सीधे संग्यान लिया। वोराजी स्वयं कस्बाई संवाददाता रह चुके थे इसलिए जमीनी हकीकत जानते थे।

अंतिम बार सांसद सुंदरलाल तिवारी जी के साथ दिल्ली में मिला था 2003 में। उन्हें सबकुछ याद था..मेरे ऊपर उनके सरकार की पड़ी लाठियां भी और वह वाकया भी जिसमें मेरी अर्जी पर एक उम्रदराज दिव्यांग को समस्त नियमों को शिथिल करते तत्काल सरकारी नियुक्ति देदी थी। वोराजी जैसे नेता सदियों में जन्म लेते हैं..जो 'जस की तस धर दीन्हीं चदरिया' को चरितार्थ करते हुए इहलोक से प्रस्थान करते हैं।

क्रिप्टो एक्सचेंज के बर्बाद होने के मामले में बैंकमैन फ्राइड रिहा, 250 मिलियन के बॉन्ड पर छोड़ा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के धराशायी होने के मामले में आरोपित सैम बैंकमैन-फ्राइड को अदालत ने 250 मिलियन डॉलर के बॉन्ड पर रिहा कर दिया है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी अभियोजक ने एफटीएक्स के बर्बाद होने के मामले में ट्रायल का सामना कर रहे बैंकमैन के अपराध को एपिक धोखाधड़ी बताया। मैनहट्टन में संघीय अभियोजकों ने स्नञ्जङ्क के संस्थापक पर अपने हेज फंड, अल्मेडा रिसर्च में घाटे को कम करने के लिए ग्राहकों के धन में अरबों डॉलर की चोरी करने का आरोप लगाया है। बैंकमैन-फ्राइड को गुरुवार को याचिका दर्ज करने के लिए नहीं कहा गया था। अदालत में बैंकमैन-फ्राइड ने स्नञ्जङ्क में जोखिम-प्रबंधन विफलताओं को स्वीकार किया है, लेकिन उन्होंने कहा है कि उन्हें ऐसा नहीं लगता है कि उन्होंने कोई अपरध किया है। मैनहट्टन संघीय अदालत में सुनवाई के बाद उनके बचाव पक्ष के वकील मार्क कोहेन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अमेरिकी मजिस्ट्रेट न्यायाधीश गेब्रियल गोरेनस्टीन ने बैंकमैन-फ्राइड की अगली अदालत की तारीख 3 जनवरी, 2023 को अमेरिकी जिला न्यायाधीश रॉनी अब्राम्स के समक्ष निर्धारित की, जो इस मामले को संभालेंगे। बैंकमैन-फ्राइड ने 2019 में एफटीएक्स की स्थापना की थी। बिटकॉइन और अन्य डिजिटल संपत्तियों के मूल्यों में उछाल के कारण एक्सचेंज की मार्केट वैल्यू इस वर्ष की शुरुआत में लगभग 32 बिलियन डॉलर हो गई थी, जिससे मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से स्नातक फ्राइड की संपत्ति में कई गुना अधिक का इजाफा हुआ और वे अरबपति गए।

10 दिन में 25 प्रतिशत टूटा यस बैंक का शेयर

दस सत्रों में 25 फीसदी टूट चुका है यस बैंक का शेयर

नई दिल्ली , एजेंसी। यस बैंक के शेयर की कीमत में बीते कुछ दिनों से गिरावट देखने को मिल रही है। 24.75 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंचने के बाद यह शेयर 25 फीसदी टूट चुका है। यह शेयर 13 दिसंबर को अपने 52 वीक हाई पर पहुंचा था। इस तरह सिर्फ दस दिन में ही यह शेयर 25 फीसदी टूट गया। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में यह शेयर बीएसई पर 4.49 फीसदी या 0.85 रुपये की गिरावट के साथ 18.10 पर ट्रेड करता दिखा। एक्सपर्ट्स के अनुसार यस बैंक के शेयर में यह गिरावट खरीदारी का एक अच्छा मौका लेकर आई है। कमजोर बाजार सेंटिमेंट के चलते गिरे इस शेयर में हाई रिस्क ट्रेडर्स और इन्वेस्टर्स कमाई का मौका ढूंढ सकते हैं। टेक्निकल चार्ट्स को देखते हुए इस शेयर के लिए एक्सपर्ट संभावित टार्गेट 32-49-70 रुपये का दे रहे है।

70 रुपये तक जा सकती है कीमत- यस बैंक ने इस साल अपना कुछ नुकसान कम करने की कोशिश की है। साल 2022 में यह शेयर करीब 40 फीसदी ऊपर आया है। टेक्निकल चार्ट पैटर्न यह बताता है कि शेयर में तेजी अभी पूरी नहीं हुई है। बैंकिंग स्पेस में जिस तरह का रुझान है, उसे देखते हुए यह शेयर अगले 6 से 12 महीने में 32-49-70 रुपये तक जा सकता है। यह शेयर पिछले छह महीने में 50 फीसदी उछला है। इसी उछाल के चलते इसने दिसंबर में 52 हफ्ते का उच्च स्तर दर्ज किया।

हालांकि, मौजूदा बाजार स्थिति के चलते इसमें मुनाफावसूली दिखी है। ट्रेडर्स 18 से 20 रुपये की कीमत पर इस शेयर को 6-12 महीने में 49-70 रुपये के टार्गेट के लिए खरीद सकते हैं। अधिकतर टेक्निकल इंडिकेटर्स यस बैंक के शेयर के लिए तेजी का संकेत दे रहे हैं।

वेंचुरा सिक्युरिटीज के प्रेसिडेंट (टेक्निकल रिसर्च) भारत गाला ने कहा, यस बैंक शेयर की कीमत ने एक केल्टनर चैनल ब्रेकआउट दिया और 24.75 का हाई बनाया। यह चैनल्स ऊपर की ओर ट्रेड करने लगे हैं। केल्टनर चैनल्स एक ट्रेंड को फॉलो करने वाला इंडिकेटर है। जिसका इस्तेमाल चैनल ब्रेकआउट और चैनल डायरेक्शन के साथ रिवर्सल की पहचान करने के लिए किया जाता है। गाला ने कहा कि संकेतक एक संभावित अपट्रेंड का संकेत दे रहे हैं। संभावित टार्गेट 32-49-70 है। गाला ने कहा कि शेयर को 16 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ 18-20 रुपये की कीमत में खरीदा जा सकता है।

यस बैंक की वित्तीय सेहत में आया सुधार- एक्सपर्ट्स का कहना है पिछले कुछ वर्षों में यस बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार लेकर आया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस समय यस बैंक का शेयर अपने लोअर सपोर्ट 18 रुपये के करीब है। 18 से 19 रुपये के बीच यह शेयर हाई रिस्क इन्वेस्टर्स के लिए एक्युमुलेशन जोन में है।

एक्सपर्ट्स इस शेयर के लिए 34 रुपये का मीडियम टर्म टार्गेट दे रहे हैं। यस बैंक ने दो साल कंसोलिडेट रहने के बाद 20 रुपये का लेवल क्रॉस किया है। यह निवेशकों के लिए एक अच्छा संकेत है। वहीं, 25 रुपये एक महत्वपूर्ण बैरियर है, जहां मुनाफावसूली देखने को मिलती है।

बैंकिंग शेयर अच्छा कर रहे परफॉर्म- बैंकिंग शेयरों ने पिछले कुछ महीनें में अच्छा परफॉर्म किया है। मिड साइज के बैंकों में भी अच्छा खरीदारी रुझान देखने को मिला है। इस सेक्टर में यस बैंक ने एक शार्प अपसाइड मूव देखा है। वहीं, अगर हम चार्ट को देखें तो शेयर अगस्त 2022 से 15.50 से 18 रुपये की रेंज में कंसोलिडेट कर रहा है।

ओला ने भारत में 1 लाख से ज्यादा ग्राहकों के लिए मूवओएस 3 का पब्लिक रोल-आउट शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता, ओला इलेक्ट्रिक ने आज अपने लेटेस्ट सॉफ्टवेयर अपडेट, मूवओएस 3 के लोकार्पण की घोषणा की। पूरे देश में हो रहे इस रोलआउट द्वारा 1 लाख से ज्यादा ओला ग्राहकों को ओवर-द-एयर (ओटीए) अपडेट मिलेंगे, जो इन स्कूटर्स की असली क्षमता का विकास कर उन्हें देश में टेक्नॉलॉजी की दृष्टि से सबसे आधुनिक टू-व्हीलर बना देंगे।

मूवओएस 3 साल में ओला का तीसरा सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर अपडेट है, जो ओला के एस1 फैमिली के स्कूटर्स की मौजूदा बेहतरीन विशेषताओं में अनेक नए और आकर्षक फीचर्स शामिल कर देगा। इस सॉफ्टवेयर अपडेट से न केवल स्कूटर के प्रदर्शन में बड़े सुधार आएंगे, बल्कि यूज़र्स को सुगम राईड अनुभव के साथ सुविधा भी मिलेगी। दूसरा बड़ा फायदा यह है कि यह अपग्रेड कंपनी के तेजी से बढ़ते हाईपरचार्जर नेटवर्क के साथ ओला की कंपैटिबिलिटी प्रदान करेगा, जो इस समय 27 भारतीय राज्यों में मौजूद है। यूज़र्स ओला हाईपरचार्जर द्वारा फास्ट चार्जिंग की मदद से केवल 15 मिनट की चार्जिंग में 50 किलोमीटर की रेंज प्राप्त कर सकेंगे।

ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर एवं सीईओ, भाविश अग्रवाल ने कहा, ''हमने इस सप्ताह सभी ओला एस1 मालिकों के लिए मूवओएस 3 अपग्रेड शुरू कर दिया है। एक साल की अवधि में यह हमारा तीसरा बड़ा सॉफ्टवेयर अपग्रेड है, और हमें अपने इंजीनियर्स पर गर्व है, जो इतनी तेज गति से विश्वस्तरीय टेक्नॉलॉजी का क्रियान्वयन करने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ओला में हमारा उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ उत्पादों का निर्माण करना और फिर उन्हें और ज्यादा बेहतर बनाना है। मूवओएस 2 अपने समय से आगे रहा है, और इसने टू-व्हीलर्स में अपनी तरह के पहले फीचर्स प्रदान किए। मूवओएस 3 भारत के पसंदीदा स्कूटर को और ज्यादा उन्नत एवं समझदार मशीन बना देगा, जो देश और पूरी दुनिया में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की परिभाषा बदल देगी।''

मूवओएस 3 अपग्रेड के साथ ओला एस1 प्रो और ओला एस1 को 50 से ज्यादा फीचर्स एवं सुधार प्राप्त होंगे, जिन्हें परफॉर्मेंस, एक्सेस और सुविधा के तीन स्तंभों के तहत वर्गीकृत किया जा सकता है।

क्रोमा के एन्ड ऑफ़ द ईयर फेस्टिवल ऑफ़ ड्रीम्स कैम्पेन में आकर्षक ऑफर्स

भोपाल। क्रोमा के फेस्टिवल ऑफ़ ड्रीम्स, न्यू ईयर सेल में आपको मिल रहा है साल को खुशियों और उमंग के साथ अलविदा कहने का बड़ा मौका। भारत के पहले और भरोसेमंद ओम्नीचैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर और टाटा समूह का एक हिस्सा क्रोमा ने उत्पादों की सभी श्रेणियों में उपभोक्ताओं के पसंदीदा गैजेट्स और अप्लायंसेस पर आकर्षक ऑफर्स शुरू किए हैं। लैपटॉप्स, मोबाईल फोन्स, घरेलु उपकरणों, टीवी और कई उत्पादों को खरीदकर अपने खरीदारी के सपनों को पूरा करने का बढ़िया मौका क्रोमा में मिल रहा है। क्रिसमस और नया साल इन दोनों मौकों पर सबसे ज़्यादा खुशियां मनाई जाती हैं। सीक्रेट सांता खेलने से लेकर अपने प्रियजनों के लिए पसंदीदा उपहार खरीदने तक – उपभोक्ताओं की इन सभी ज़रूरतों, इच्छाओं का पूरा ध्यान रखते हुए क्रोमा ने शुरू किए हैं भारी डिस्काउंट्स।

किसान मोर्चा के मंत्री ने की थी एडवांस भुगतान की शिकायत

छिंदवाड़ा। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री संजय सक्सेना ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कांग्रेस के कार्यकाल में जिले में सिंचाई के लिए पूर्व स्वीकृत माईक्रो इरिगेशन सिंचाई योजनाओं हजारों करोड़ का अग्रिम भुगतान निकाल लिए जाने का पत्र लिखा था । किसान मोर्चा द्वारा शिकायत पर दो कार्यपालन यंत्री को निलंबित कर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने अब स्वीकार कर लिया है कि दो हजार करोड़ रूपए एडवांस निकाले गए । संजय सक्सेना ने केन्द्रीय जांच एजेंसी एवं ईडी से उचित कार्रवाई की मांग की है। लव जिहाद में फंसाकर शादी करने की शिकायत जाटाछापर की युवती को जाहिद पिता शेख जमालुद्दीन निवासी चांदामेटा द्वारा अपने प्यार में और लव जिहाद में फंसाकर शादी की जा रही है विश्व हिन्दु परिषद बजरंग दल के जिला संयोजक उज्जवल पटेल ने एसडीएम को शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

भारतीय समाज में विज्ञापन की आवश्यकता पर हुई चर्चा

छात्र-छात्राएं अपने स्थानीय स्तर की बस्तुओं का विज्ञापन बनाकर न्यू मीडिया के रोजगार से जुड़े : चंदेला

छिंदवाड़ा। स्थानीय पीजी कालेज छिंदवाड़ा के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ लक्ष्मीकांत चंदेला ने एक दिवसीय कार्यशाला शासकीय महाविद्यालय वारा सिवनी जिला बालाघाट में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर कार्यशाला को सम्बोधित किया। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना विश्व बैंक के सहयोग से ÷न्यू मीडिया की भाषा और विज्ञापन लेखन÷ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं हिन्दी विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. रक्षा निकोसे संयोजक एवं प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे सहसंयोजक सचिव के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. लक्ष्मीकांत चंदेला शासकीय स्वशासीय महाविद्यालय छिंदवाड़ा, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सरोज घोड़ेश्वार शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट, डा. राजेश कुमार ठाकुर शासकीय महाविद्यालय केवलारी, प्रो. बीएल इनवाती शासकीय महाविद्यालय बरघाट एवं डॉ. एसएस गेड़ाम प्रभारी भूप्रउशि गुणवत्ता उन्नयन परियोजना विश्व बैंक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप

प्रजवलन कर किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ स्मारिका के विमोचन से हुआ। मुख्य अतिथि डॉ0 लक्ष्मीकांत चंदेला ने मीडिया एवं विज्ञापन से लोक को जोड़कर लोक के निर्मित सामग्री के विज्ञापन पर सारगर्भित उदबोधन दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ0 सरोज घोड़ेश्वार ने पत्र पत्रिकाओं में विज्ञापनों के प्रचार-प्रसार एवं प्रभाव पर चर्चा की। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश ठाकुर ने विज्ञापन कला को विकसित करने में विभिन्न कलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो0 बी0एल0 इनवाती ने विज्ञापन के विकास और वर्तमान में भारतीय समाज में इसकी आवश्यकता पर चर्चा की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने विज्ञापन का व्यवसाय में महत्व एवं प्रो. पूर्णिमा कुमरे ने विज्ञापन एवं व्यवसाय के संबंधों पर प्रकाश डाला।नई शिक्षा नीति के अनुरूप विषय हिन्दी स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के छात्र उमेंद्र उपवंशी ने भी शोध आलेख का वाचन किया। एमपीएचईक्यूआई के प्रभारी डॉ0 एस0 एस0 गेड़ाम ने अपने उद्बोधन में विषय की वर्तमान में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला एवं विषय को वर्तमान नई शिक्षा नीति के अनुरूप बताया।

अंत में प्राचार्य डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन में ÷न्यू मीडिया और विज्ञापन में भारतीय ÷ समाज एवं संस्कृति के अनुरूप भाषा चित्रण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला एवं आशीर्वचन देकर कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रदान की अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिवसिंह डेहरिया मीडिया प्रभारी छिंदवाड़ा एवं अजय बोपचे बरघाट से मीडिया प्रभारी के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग डॉ. सरिता कोल्हेकर, डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले, डॉ. एम घोरमारे, डॉ. तृति सोनवे, प्रो. हेमन्त गणवीर, डॉ. अनिरूद्ध सिंह काकोडिया, डॉ. त्रिरत्नेष गजभिये, डॉ. राकेश चौरे, प्रोफेसेर सविता सेनवार, डॉ. शाइस्ता कुरैशी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला की संयोजिका डॉ. रक्षा निकोसे ने प्राचार्य, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, महाविद्यालयों से पधारे अतिथि प्राध्यापकों, छात्र- छात्राओं, कार्यक्रम में उपस्थित समस्त प्राध्यापकों, अतिथि विद्वानों, जनभागीदारी शिक्षकों, मीडिया प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटरों एवं छात्र-छात्राओं आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं को अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत कराया गया भ्रमण

अमरवाड़ा वन विभाग की ओर से मध्य प्रदेश इको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा संचालित अनुभूति कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की इस दौरान रेंजर आनंद मस्तबार ,मास्टर ट्रेनर्स यादव और चांद सर के द्वारा सभी छात्रों को वन संरक्षण ,पारिस्थितिक तंत्र ,जैविक ,अजैविक घटक ,वनसंपदा आदि विषयों पर छात्रों से उन्होंने चर्चा की वन भ्रमण के पश्चात उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षक जी. एस. सिसोदिया ने विविध कार्यक्रम संपन्न करवाया जिसमें ह्वह्वह्व5 चित्रकला ,निबंध ,काव्य पाठ का वाचन ,नृत्य आदि आयोजित हुए जिसमें सभी छात्र छात्राओं को वन विभाग के द्वारा अतिथियों के हसते पुरस्कृत किया गया द्य उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षक गजेंद्र सिंह सिसोदिया ने शिक्षा विभाग की ओर से वन विभाग को धन्यवाद प्रेषित कर आभार प्रदर्शन किया ।

नपा ने चलाया वसूली अभियान

छिंदवाड़ा। आज दिनांक 23/12/2022 को वार्ड क्र0 3, 40 एवं 45 क्षेत्र में जलकर वसूली अभियान के तहत नल कनेक्षन काटने की कार्यवाही की गई, वार्ड क्र0 3 ढीमरीढाना में सरिता बाडिवा 10814/- एवं रमन सल्हाम 6688/- का जलकर न जमा करने के कारण इनका नल कनेक्शन काटा गया । इसके पष्चात वार्ड क्र0 40 मस्जिद मोहल्ला में अवैध नल कनेक्शन काटा गया तथा कामठी विहार कालोनी में खाली घर का नल कनेक्शन का विच्छेद किया गया । इस कार्यवाही में विवेक चौहान सहायक यंत्री, भानुप्रताप सुर्यवंषी उपयंत्री, रोहित सुर्यवंशी उपयंत्री, अतनू रक्षित उपस्थित रहे ।

स्वास्थ्य शिविर में आएंगे 10 हजार से अधिक मरीज

दशहरा मैदान आयोजित किया गया विशाल स्वास्थ्य शिविर,सभी बीमारी के मरीजों का होगा इलाज

छिंदवाड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंति के अवसर पर दशहरा मैदान में 25 दिसंबर को विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 10 हजार से अधिक मरीजों के आने की उम्मीद है। जिले भर के भाजपा कार्यकर्ता के माध्यम से वाहन से शिविर में लाने का प्रयास किया जाएगा जिससे की गांव के लोग स्वास्थ्य शिविर में लाभावित हो सकें। जिला भाजपा के अध्यक्ष विवेक बंटी साहू पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। पत्रकार वार्ता में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, संजय पटेल, संदीप चौहान भी उपस्थित थे। श्री साहू ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर में बढ़ते कोरोना को देखते हुए बूस्टर डोज भी लगाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही जिन मरीजों के पास आयुष्मान योजना का कार्ड है। उन्हें शिविर में इस योजना का लाभ भी दिलाया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गांव में लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता नहीं है। मोतियाबिंद सहित अन्य बीमारी के मरीज ज्यादा बीमारी बढ़ने के बाद ही अस्पताल जाते हैं जबकि बीमारी की शुरूआत में ही उन्हें चिकित्सक को दिखाना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि शिविर में सारे टेस्ट भी निःशुल्क कराए जाएंगे। शिविर में आने वाले सभी मरीजों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई है। सभी बीमारियों के मरीजों के लिए जिले और बाहर के विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहेंगे। स्वास्थ्य शिविर में एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा होम्योपैथी, आयुर्वेदिक, के चिकित्सक भी उपस्थित रहेंगे। मरीज इन चिकित्सकों से भी अपनी जांच करा सकते हैं।

खेल प्रतिभाओं को मिला उभरने का मौका

अटल महाकुंभ के अंतर्गत चल रहे खेलों को लेकर भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस महाकुंभ से हजारों खिलाड़ी लाभांवित हुए हैं। प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिला है। उन्होने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कमलनाथ ने खिलाडियों के लिए कुछ नहीं किया कांग्रेस में चापलूसी करने वालों को ही फायदा मिलता है।

2 हजार करोड़ किया था एडवांस भुगतान

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सिंचाई काम्पलेक्स में 500 करोड़ रूपए कमलनाथ सरकार में एडवांस भुगतान का मामला सामने आया था लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज जी ने कहा कि दो हजार करोड़ रूपए का एडवांस भुगतान किया गया था। जिसमें अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है और आगे जांच चल रही है।

एस.पी. अग्रवाल बने केन्द्र सरकार में उपसचिव

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक विवेक अग्रवाल को केन्द्रीय ग्रहमंत्रालय के केबिनेट सचिवालय में उपसचिव के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। श्री अग्रवाल को केबिनेट सचिवालय में 4 वर्ष का कार्यकाल रहेगा।

जुलाई माह में किए मजदूरी का नहीं हुआ भुगतान,ग्रामीणों ने सीईओ से लगाई गुहार

13 मजदूरों का 4-4 सप्ताह का रुका है भुगतान,ग्राम पंचायत सुखारी का मामला

अमरवाड़ा। जनपद पंचायत अमरवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखारी कला में मनरेगा अंतर्गत किए गए कार्यों का भुगतान नहीं किए जाने पर ग्रामीण मजदूरों ने भुगतान को लेकर सीईओ से गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जुलाई माह में ग्राम पंचायत सुखारी में लगभग 13 मजदूरों का 4-4 सप्ताह का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। इस संबंध में ग्रामीण मजदूरों ने तत्कालीन पंचायत सचिव पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। इससे पहले भी निर्माण कार्यों और अन्य सरकारी योजनाओं पर लापरवाही के भी आरोप ग्रामीणों द्वारा तत्कालीन सचिव पर लगाए गए थे। बताया जा रहा है कि तालाब के मरम्मत को लेकर मनरेगा अंतर्गत कार्य लगाया गया था। जिसके बाद गांव के ही लगभग 13 मजदूरों का 4-4 सप्ताह का भुगतान रुका है। ग्रामीणों ने जनपद कार्यालय पहुंचकर मामले को लेकर सीईओ और जनपद पंचायत अध्यक्ष को अवगत कराया है और जल्द से जल्द भुगतान कराने का भी निवेदन किया है। इस संबंध में सीईओ एमआर मेहरा का कहना है कि शिकायत के बाद तत्कालीन सचिव से जानकारी मांगी गई थी। जिस पर उन्होंने जल्द से जल्द भुगतान कराने की बात कही है। वही ग्राम पंचायत के तत्कालीन सचिव संजय सूर्यवंशी का कहना है कि वर्क अंतिम चरण में था और उस समय उक्त काम का पैसा खत्म हो गया था। जिसके चलते यह समस्या बनी। हालांकि भुगतान हो जाने को लेकर अन्य व्यवस्थाएं की जा रही है।

बच्चों के साथ सायकल चलाकर सायकल दौड़ का किया शुभारंभ

खेलों में खिलाड़ियों के बीच जीतने का मचा रहा घमासान

छिंदवाड़ा– अटल खेल महाकुंभ के अंतर्गत 23 दिसंबर को साइकिलिंग स्पर्धा का आयोजन इनर मैदान नागपुर रोड से हुआ। इसके पूर्व पुलिस मैदान में खिलाड़ियो का एकत्रीकरण व पंजीयन के उपरांत साइकलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक बंटी साहू, जितेंद्र राय, दारा जुनेजा , नितिन खंडेलवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए साइकिल रैली में भाग लिया। जिसका समापन इनर मैदान के प्रारंभिक स्तर पर हुआ । यहां से विधिवत साइकिलिंग स्पर्धा का आरंभ खिलाडी प्रतिभागियों हेतु किया गया। स्पर्धा के दौरान फ्लोगार्ड, दो एंबुलेंस और यातायात कर्मचारियों के सहयोग से स्पर्धा विधिवत संचालित की गई।

सीनियर पुरुष व महिला वर्ग की साइकिलिंग चैम्पियनशिप इनर मैदान से एफ डी डी आई तक तथा जूनियर वर्ग जे पी इन होटल तक तथा समापन इनर मैदान में हुआ। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संचालन में संघ सचिव पी एल साहू ,राकेश चौरसिया, अंकित सोलंकी ,ललिता वासनिक, संजीव गौतम ,उर्मिला ,महेश डोगरे, एन के बेलवंशी, अनिल गड़रिया, संतोष बड़ोनिया, अमित अड़रिया, संजीव गौतम, नरेन्द्र चौरसिया, श्रीमती सुमन गुप्ता एवं आनंद गिरीपुजे सहित सभी खेल शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समिति के संयोजक इन्द्रजीत सिंह बैस, सहसंयोजक नितिन खंडेलवाल, भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अंकित सोलंकी ने उक्ताषय की जानकारी देते हुए बताया कि साइकलिंग दौड़ में जूनियर बालक में प्रथम अरिविंद राकेष उईके तामिया, द्वितीय पंकज शैखलाल धुर्वे, तृतीय यश राजेन्द्र तामिया, चैम्पियन शांतनु सुभाष साहू छिंदवाड़ा रहा । जूनियर बालिका में प्रथम शषी गुलदास भारती तामिया, द्वितीय प्रया पंकज बन्देवार पाठाढाना, तृतीय मोनिका विनोद आरेस महादेव नगर नोनिया करबल, चैम्पियन काजल भागचंद कवरेती तामिया रही । इसी प्रकार सीनियर बालक वर्ग में प्रथम दीपक पिट्टूलाल भलावी रिजर्व पुलिस लाईन छि., द्वितीय अकलेश भलावी रिजर्व पुलिस लाईन छि., तृतीय ओमकार चरनलाल पवार चंदनगांव, चैम्पियन जार्ज विलियम मान्टेरो पटेल कॉलोनी रहे तथा सीनियर बालिका में प्रथम स्थान गायत्री सुखलाल यादव खापाभाट, द्वितीय संध्या मिरनलाल भलावी गौरीढाना, अम्बाड़ा, तृतीय लवली पवार उमरेठ तथा चैम्पियन लक्ष्मी बृजनन्दन शाह तामिया के रहे ।

रस्साकसी का मैच स्टेडियम ग्राउंड में इन्द्रजीत सिंह, नितिन खंडेलवाल, नीरज भारद्वाज, नरेन्द्र सोनी स्कोरर के उपस्थिति में संपन्न हुआ जिसमें चीफ गेस्ट साई के सुश्री नंदिता चौहान और डी.एस.ओ. आर.आर. नागरे जी मौजूद थे सीनियर महिला वर्ग में पावर जिम की लड़कियों ने चैम्पियनषिप जीती और दूसरे स्थान पर सर्वोत्तम हेल्थ क्लब रहा इसमे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार अदिती बैरागी को मिला । इसी प्रकार पुरूष वर्ग में पावर जिम के लड़कों ने चैम्पियनषिप जीती और सर्वोत्तम हेल्थ क्लब के लड़के द्वितीय स्थान पर रहे । इसमें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार रजत पांडे को मिला । जूनियर वर्ग में लड़कियों में उ.मा.वि. सोनाखार विजेता रहा । कप्तान पूजा सोनकुंवर उत्कृष्ट खिलाड़ी रही ।

टेनिस बॉल के मैच 23 दिसम्बर को खेले गए मैच में विजय टीम इस प्रकार है पहले नंबर पर साउंडिंग ईगल दूसरे नंबर पर सतपुरा टाइगर तीसरे नंबर पर खोलता खून ईएलसी चौथे नंबर पर अल्टीमेट इलेवन पांचवे नंबर पर राजस्थान टाइल्स आज से लाल मैदान में जूनियर क्रिकेट टीम का भी मैच शुरू हो गया है ।

लान टेनिस में गुंजेश ठाकरे प्रथम, सूर्यांश जैन द्वितीय, प्रथा पाठक तृतीय, डबल्स परिणाम में सूर्यांश जैन और तक्ष जैन प्रथम, पृथा पाठक और मान्या महाजन द्वितीय, प्रत्युष हनोते और हार्दिक जैन तृतीय स्थान पर रहे ।

हॉकी प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मैच फ्रेंड्स क्लब और यूनाइटेड क्लब के मध्य खेला गया जिसमें फ्रेंड्स क्लब ने जैनुल सिद्दीकी के एक मात्र गोल से विजय प्राप्त की इस तरह फ्रेंड्स क्लब ने फाइनल में अपना स्थान बनाया कल फ्रेंड्स क्लब और क्रिश्चियन क्लब के मध्य फाइनल मुकाबला खेला जाएगा तीसरे स्थान के लिए यूनाइटेड क्लब और प्रिंस क्लब के मध्य मुकाबला खेला जाएगा आज के निर्णायक श्याम सिंह धुर्वे और दीपक कुमार थे तीसरे निर्णायक शफीउल्ला खान थे हॉकी संघ सचिव शारीक सिद्दीकी ने बताया कि कल फाइनल मुकाबला दो बजे से खेला जाएगा ।

पुलिस ग्राउंड में कबड्डी के फाइनल मैच में पी.जी. कालेज विरूद्ध गर्ल्स कॉलेज के मैच जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू, दारा जुनेजा, जिला कार्यालय मंत्री लोकेश लाम्बा, संतोष पटेल, बिट्टू मंडराह, रूपेश कैथवास, ममल जैन, सुशील पटवा, राकेश चौरसिया, संचालक प्रीति मार्को, निर्णायक नरेन्द्र सूर्यवंशी, अरविंद सूर्यवंशी, राहुल उईके, पूजा सरेयाम, अनुराग मेहरा, विकास अहिके की उपस्थिति में हुआ । जिसमें सीनियर वर्ग विजेता खेल युवा कल्याण विभाग, उपविजेता यंग स्टार गैरपानी रहे । कबड्डी सीनियर वर्ग बालक पी.जी. कॉलेज और गर्ल्स कॉलेज का हुआ उसमें विजेता पी. कॉलेज हुई ।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता का तीसरे दिन बहुत ही रोमांचक मैच हुए गर्ल्स बॉयज मिलाकर 50 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें सीनियर गर्ल्स में गर्ल्स कालेज विरुद्ध डीबीए तथा सीनियर बॉयस में डी.बी.ए विरूद्ध एम.पी. 28, उसी तरह जूनियर गर्ल्स डीबीए विरूद्ध नवोदय और जूनियर बॉयस डी.बी.ए. विरुद्ध गुरुकुल के मध्य कल दिनांक 24/12/22 को खेला जाएगा । वही आज मिनी गर्ल्स वॉरियर विरूद्ध डी.बी.ए. के मध्य फाइनल मैच खेला गया जिसमें डी.बी.ए गर्ल्स विजयी रही तथा मिनी वॉयस डी.पी.ए. विरुद्ध सुपर फाइटर के मध्य खेला गया जिसमें डी.पी.ए. विजयी रही । सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्षन कर अपनी खेल प्रतिभा को निखारा । इसमें निर्णायक की भूमिका राजेन्द्र झांझोट, वैषाली वर्मा, नीरज शर्मा, प्रशांत भावरकर, शुभम यादव और अंकित पाल ने निभाई ।

बालिका जूनियर में गर्ल्स कॉलेज विजेता तथा स्टूडेंट क्लब उपविजेता रही । बालक जूनियर में सांवरी क्लब विजेता तथा गुरुकुल स्कूल उपविजेता रही । यंग स्पाइकर्स विरूद्ध पुलिस लाईन मैच चल रहा है । वॉलीबॉल मैच में योगेश चौरिया, जीमल खान, दीपक अंदानी के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका तथा मीनाक्षी भारद्वाज, शिवानी ने सहयोग दिया । किरण, यष, भूमिका, जान्हवी ने स्कोरर की भूमिका अदा की । स्टेडियम ग्राउंड में बुषू के इवेंट विश्राम रसीले द्वारा कराया गया, 24 दिसम्बर को मानसरोवर कॉम्प्लेक्स के सामने बॉडी बिल्डिंग में दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक वजन होगा तथा सायं 6 बजे कम्पटीशन होगा ।

न्यायालयनजूल अधिकारी छिन्दवाड़ा
सूचना-पत्र

राजस्व प्रकरण क्रं. 50/अ-6/2020-21 मौजा-छिन्दवाड़ा शहर नजूल छिन्दवाड़ा
आवेदनगणः-महेन्द्र सिंह पिता स्व. श्री नकुल सिंह शक्रवार निवासी पुराने पवार हाउस के पास छिन्दवाड़ा तहसील एवं जिला छिन्दवाड़ा एवं अन्य-18

विरुद्ध

अनावेदक क्रमांक 3-ताजिम अली पिता स्व. साकिब अली खान ,
अनावेदक क्रमांक 4- नौशीन नशेमन खान पिता स्व. साकिब अली खान
अनावेदक क्रमांक 5- जोफिया खान पिता स्व. साकिब अली खान
अनावेदक क्रमांक 6- रजिया खान पति स्व. मुजाहिद अली खान
अनावेदक क्रमांक 7 - निदा खान पिता स्व. मुजाहिद अली खान
अनावेदक क्रमांक 8- सना खान पिता स्व. मुजाहिद अली खान
अनावेदक क्रमांक 9-नाजिश खान पिता स्व. मुजाहिद अली खान
अनावेदक क्रमांक 10- रफीदा पति व तौसिफ अली खान
अनावेदक क्रमांक 12- याकूब खान पिता सकूर खान
अनावेदक क्रमांक 13- यासीन खान पिता सकूर खान
सभी निवासी पुराना पावर हाउस के पास छिन्दवाड़ा तहसील एवं जिला-छिन्दवाड़ा

एतद् द्वारा उपरोक्त दर्शित अनावेदकगण को इस सूचना पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आवेदकगण महेन्द्र सिंह पिता स्व. श्री नकुल सिंह शकवार निवासी पुराने पवार हाउस के पास छिन्दवाडा तहसील एवं जिला छिन्दवाड़ा एवं अन्य-18 द्वारा नामांतरण हेतु आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 110 मप्र भू राजस्व संहिता 1959 के प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि अनावेदकगण के पूर्वाधिकारियों हसीना बी एवं अन्य के विरूद्ध सक्षम व्यवहार न्यायालय द्वारा प्रकरण के 53/29 में दिनांक 10.12.1943 को पुरोबंध मोचनारोध की डिक्री पारित की गई थी जिसके आधार पर स्व. डालचंद और उसके बाद उनकी पत्नि श्रीमती दुलिया बाई और उसके पुत्रगण नजुल सीट नंबर 19 प्लाट नंबर 68 और प्लाट नंबर 86 के स्वामी हो गये थे। निष्पादन कार्यवाही के दौरान स्व. नेपाल सिंह ने अपने संयुक्त परिवार के कर्ता की हैसियत से, जिसके सदस्य उनके छोटे भाई स्व. सुरेन्द्र सिंह थे. अपने मित्र स्व. नकुल सिंह के साथ मिलकर वास्तविक डिक्रीधारी दुलियाबाई वगैरह से उपर्युक्त उल्लेखित डिक्री उचित प्रतिफल देकर रजिस्टर्ड विलेख दिनांक 08.03.1966 द्वारा कय कर आधिपत्य प्राप्त किया और वादग्रस्त प्लाट के स्वामी हो गये। अनावेदक क. 1. अनावेदक के 11 से 13 और शेष अनावेदकगण क्रं. 2 से 10 के पूर्वाधिकारी स्व. श्री नेपाल सिंह और स्व. श्री नकुल सिंह की अनुमति से वादग्रस्त प्लाट नंबर 86 के एक भाग पर बने मकान के लायसेंसी हो गये। प्लाट नंबर 68 और उस पर निर्मित मकानों में स्व. सुरेन्द्र सिंह अपने परिवार के साथ और स्व. नकुल सिंह अपने परिवार के साथ बतौर सकब्जा स्वामी निवास करने लगे। वर्तमान में आवेदक कं. 1 से 6 उनके मकानात में और आवेदक क्रं. 15 व 16 उनके मकान पर बतौर सकब्जा स्वामी निवास कर रहे हैं। निष्पादन वाद क्रं. 53/29 मुकेश कुमार एवं अन्य विरूद्ध मुमताज बेगम एवं अन्य में प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 छिन्दवाड़ा के न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 25. 01.1999 के अनुसार स्व. नकुल सिंह और स्व. नेपाल सिंह को वास्तविक डिक्रीधारी घोषित किया जाकर प्लाट नंबर 68 और 86 तथा उस पर निर्मित मकानों के कब्जे में होने की डिक्री की आशिक तुष्टि प्रमाणित की गई है। वर्ष 2005 में होली के समय स्व. नेपाल सिंह के वारसानों और स्व. सुरेन्द्र सिंह के बीच आपसी मौखिक अंतिम बटवारा होकर अन्य सम्पत्ति के अलावा समनुदेशन की डिक्री में का हक स्व. सुरेन्द्र सिंह को प्राप्त हुआ। बटवारे के आधार पर वादग्रस्त प्लाट नंबर 86 व प्लाट नंबर 68 पर बने बड़े मकान का कब्जा स्व. सुरेन्द्र सिंह का ही बना रहा। इस प्रकार स्व. सुरेन्द्र सिंह और स्व. नकुल सिंह साथ-साथ वादग्रस्त प्लाट के सहस्वामी व आधिपत्यधारी हो गये। आदेश दिनांक 25.01.1999 के विरुद्ध मा. उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत पुनरीक्षण कं. 397 / 1999 में दिनांक 06.03.2012 को स्व. श्री सुरेन्द्र सिंह द्वारा मौखिक बटवारे के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण आवेदन के जबाव और शपथ पत्रों में आवेदक कं. 7 से 9 और स्व. संतराम सिंह ने वादग्रस्त प्लाट स्व. श्री सुरेन्द्र सिंह को बटवारे में प्राप्त होना स्वीकार किया है और उनके पक्ष में नामांतरण पर सहमति व्यक्त किये है। दिनांक 14.01.2010 को श्री सुरेन्द्र सिंह का स्वर्गवास हो गया है। उसके पश्चात् आवेदक कं. 15 व 16 आवेदक कं. 1 से 6 के साथ वादग्रस्त प्लाट के सहस्वामी हो गये हैं। प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 छिन्दवाड़ा द्वारा नि. याद क्रं. 53/ 29 में पारित आदेश दिनांक 25.01.1999 के विरूद्ध प्रस्तुत सिविल रिवीजन क्रं. 397/99 मा. उच्च न्यायालय द्वारा आदेश दिनांक 06.03.2012 के अनुसार निरस्त की गई है। उक्त रिवीजन में पारित आदेश के विरूद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील प्रस्तुत करने के आधार पर विजय कुमार कौशल द्वारा निष्पादन न्यायालय के समक्ष बार-बार स्थगन हेतु समय लिया जाते रहा और अंततः दिनांक 01.11.2019 को निष्पादन निरस्त हो जाने से स्व नकुल सिंह और स्व. नेपाल सिंह के हक में स्व. दुलियाबाई द्वारा सम्पादित विकय अंतिम हो गया है जिसके आधार पर स्व. नेपाल सिंह और स्व. नकुल के वारीसान का वादग्रस्त प्लाट पर हक अंतिम हो गया है। प्रकरण का पूर्ण रूप से अंतिम निराकरण निष्पादन न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 01.11.2019 के अनुसार किया गया है इसलिए पूर्व में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत नहीं किया जा सका है। आवेदक कं. 4, 5 एवं 6 स्व. नकुल सिंह के पूर्व मृत पुत्र नारायण सिंह के वारसान है और आवेदक कं. 1 से 3 स्व. श्री नकुल सिंह के पुत्र है। इस प्रकार आवेदक क्रं. 1 से 6 स्व. श्री नकुल सिंह के उत्तराधिकारी है। आवेदक कं. 14 से 17 स्व. श्री सुरेन्द्र सिंह के उत्तराधिकारी है। आवेदक कं. 14 एवं 15 ने मौखिक पारिवारिक व्यवस्था के अंतर्गत अपना हक आवेदक कं. 16 व 17 के पक्ष में छोड़ दिया है। अतः नजूल प्लाट नंबर 68 और प्लाट नंबर 86/1 व 86/ 2 (पूर्व प्लाट नंबर 86) से संबंधित नजूल अभिलेखों से अनावेदकगण का नाम विलोपित किया जाकर आवेदक कमांक 1 से 6 और आवेदक क्रमांक 16 व 17 का नाम दर्ज किया जावे। जिसका राजस्व प्रकरण क्रमांक 50 / अ-6 / 2020-21 इस न्यायालय में प्रचलनशील है। उक्त प्रकरण अनावेदकगण की उपस्थिति हेतु दिनांक 16.01.2023 को नियत है।

अतः अनावेदकगण को इस सूचना पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में विचाराधीन राजस्व प्रकरण क्रमांक 50 / अ- 6 / 2020-21 की नियत सुनवाई दिनांक 16.01.2023 को वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। नियत सुनवाई दिनांक को अनुपस्थिति की दशा में नियमानुसार एकपक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी ।

आज दिनांक 19.12.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा के जारी किया गया।

नियत पेशी दिनांक :- 16.01.2023

सील

नजूल अधिकारी
छिंदवाड़ा

अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में बच्चों ने भी नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी।

भोपाल में टुकड़े-टुकड़े गैंग का प्रभाव बढ़ा: कैलाश विजयवर्गीय

भोपाल। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने भोपाल में आयोजित सम्मान समारोह में बड़ा बयान दिया। विजयवर्गीय ने कहा राजधानी में लगातार धार्मिक उत्सव आयोजन करने वाली समितियों का सम्मान करना जरूरी है। भोपाल में ऐसे लोगों का उत्साह वर्द्धन करना जरूरी है क्योंकि भोपाल ऐसा शहर है जहां राजधानी होने के बावजूद देश में जो टुकड़े-टुकड़े गैंग है, उसके के प्रभाव में थोड़ा दिखाई देने लगा है। आप लोग ऐसी समिति से जुड़े और धर्म संस्कृति का प्रचार हो।

पुराने शहर में हुए हमले को याद कर बोले- वो सोचकर गुस्सा आता है- विजयवर्गीय ने कहा- भोपाल में युवा मोर्चे में काम करते थे पुराने भोपाल में हमारा कार्यालय था। वहां भवानी चौक कर्फ्यू माता मंदिर पर हमने चक्काजाम किया पुलिस आई लाठीचार्ज हो गया। कुछ कार्यकर्ता बस्ती की तरफ भागे वहां बस्ती वालों ने हमारे कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके। वो बस्ती कौन सी थी ये समझने वाली बात है। मुझे

बहुत गुस्सा आया। तब से मुझे लगता है कि इन लोगों को सबक सिखाना बहुत जरूरी है। ये केवल जय-जय सियाराम बोलने से नहीं होगा। मैं वंदेमातरम् नहीं बोलूंगा ऐसा कहने वाले यहां से न जीतें ये अगले चुनाव में याद रखना। कार्यक्रम में भोपाल मेयर मालती राय, पूर्व विधायक सुरेन्द्र नाथ सिंह, रविन्द्र यति, डॉ.हितेश वाजपेई, सीमा सिंह जादौन भी मौजूद थीं।

नरेन्द्र मोदी दुनियां के नेता- एक वाकिया सुनाते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि भोपाल में टांग खींचने की प्रवृत्ति से बचना होगा। क्योंकि अच्छे संकेत नहीं हैं देश दुनिया के लिए। हमें मजबूती के साथ यहां पर डटना पड़ेगा। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गर्व है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, महाकाल, काशी विश्वनाथ जैसे जितने भी हमारे आस्था के केन्द्र हैं उन सभी का विकास हो रहा है। जब हम गुलाम थे मुगलों ने कुछ नहीं किया सिर्फ हमारे आस्था के केन्द्रों को बर्बाद कर दिया था। आस्था के केन्द्र कमजोर होने से हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है। मोदी जी उन्हीं आस्था के केन्द्रों का विकास कर हमारा आत्मविश्वास मजबूत कर रहे हैं। हमारे पास धर्म ग्रंथ हैं ये साधु संतों के तप की भूमि है। हमने दुनिया को ज्ञान का प्रकाश दिया हम विश्वगुरु थे। लेकिन जो एक हजार साल के कालखंड के बाद हम अपने आत्मविश्वास को खो बैठे क्योंकि जिन्होंने हम पर राज किया उन्होंने हमारे आत्मविश्वास को ठेस पहुंचाई। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। कभी कोई सोच नहीं सकता था कि चीन की सेना आ जाए और वापस लौट जाए। चायना की सेना को ठोक कर वापस किया और हमारे प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना युद्धाभ्यास सीमा पर करेगी। युद्धाभ्यास का मतलब है हम खंब ठोक रहे हैं कि आ जाओ हम तैयार हैं।

मानहानि मामले में कोर्ट ने पूर्व मंत्री और संयुक्त पंजीयक पर जुर्माना किया

पन्ना। कोर्ट ने पन्ना के जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष के मानहानि मामले में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और संयुक्त पंजीयक सागर प्रदीप नीखरा को 5-5 लाख का अर्थदंड लगाया है। प्रदेश के चर्चित जिला

सहकारी केंद्रीय बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष संजय नगायच को अनियमितताओं के आरोप लगाकर हटाने के मामले में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें दोष मुक्त कर दिया था।

इस संबंध मे तत्कालीन अध्यक्ष संजय नगायच ने पांच लोगों पर मानहानि का वाद न्यायालय में दायर किया था। इस मामले में उन्होंने तत्कालीन सहकारिता मंत्री गौरीशंकर बिसेन, वर्तमान खनिज मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह, तत्कालीन संयुक्त पंजीयक सागर प्रदीप नीखरा और जिला पंजीयक अखिलेश निगम एवं एक अन्य को पार्टी बनाते हुए वाद दायर किया था। जिसकी सुनवाई लगातार चल रही थी। उक्त मामले में अपर तृतीय जिला न्यायधीश कमलेश कुमार सोनी की अदालत ने बृजेंद्र प्रताप सिंह, अखिलेश निगम एवं एक अन्य को मुक्त कर दिया।

तत्कालीन सहकारिता मंत्री गौरीशंकर बिसेन एवं संयुक्त पंजीयन सागर प्रदीप नीखरा को पांच-पांच लाख रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया है। इस मामले में पूर्व बैंक अध्यक्ष संजय नगाइच ने बताया कि वे अभी इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। वे इसकी अपील उच्च न्यायालय में करेंगे।

लोन फ्रॉड मामले में चंदा और दीपक कोचर गिरफ्तार

मुम्बई। शुक्रवार को सीबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को लोन फ्रॉड मामले में गिरफ्तार कर लिया। चंदा कोचर उस कमेटी का हिस्सा रहीं हैं, जिसने 26 अगस्त 2009 को बैंक द्वारा वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स को 300 करोड़ रुपए और 31 अक्टूबर 2011 को वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड को 750 करोड़ रुपए देने की मंजूरी दी थी। कमेटी का इस फैसले ने बैंक के रेगुलेशन और पॉलिसी का उल्लंघन किया था।

मई 2020 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चंदा कोचर और उनके पति से करोड़ो रुपए के लोन और इससे जुड़े अन्य मामलों में पूछताछ की थी। यह लोन आईसीआईसीआई बैंक ने वीडियोकॉन को 2009 और 2011 में दिया था। चंदा कोचर उस समय बैंक की एमडी और सीईओ थीं। इस मामले में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद ईडी ने चंदा कोचर के पति दीपक कोचर को गिरफ्तार किया था।

78 करोड़ की संपत्ति अटैच- ईडी ने 3 साल पहले चंदा कोचर की 78 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच की थीं। इनमें चंदा का मुंबई का घर और उनसे जुड़ी कंपनी की संपत्तियां शामिल थीं। ईडी के अधिकारियों ने बताया था कि कोचर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए वारंट जारी किया गया था। इसके तहत कोचर के मुंबई में स्थित फ्लैट और उनके परिवार से संबंधित एक कंपनी की संपत्तियों को जांच एजेंसी ने अटैच कर दिया था।

एमपीपीयूआरसी:एक बार फीस तय कराने के बाद निजी विवि को हर साल मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी

भोपाल। मध्यप्रदेश प्राइवेट यूनिवर्सिटी रेगुलेटरी कमीशन (एमपीपीयूआरसी) द्वारा निजी विश्वविद्यालयों में संचालित अंडर ग्रेजुएशन (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) सहित विभिन्न प्रोग्राम्स के लिए निर्धारित फीस हमेशा के लिए लागू रहेगी। निजी विश्वविद्यालयों द्वारा एमपीपीयूआरसी से हर साल अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। यदि कोई विश्वविद्यालय अपनी फीस परिवर्तित कराना चाहता है तो वो वह फीस की समीक्षा के लिए एमपीपीयूआरसी में आवेदन कर फीस की समीक्षा करा सकेगा। यह बात हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग के एसीएस शैलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में निजी विश्वविद्यालयों के चांसलर्स की बैठक के मिनिट्स जारी होने पर सामने आई। वहीं भारत सरकार द्वारा निर्धारित मंहगाई दर (इनफ्लेशन रेट) को ध्यान में रखते हुए आगामी वर्ष में उतनी फीस बढ़ाने के मामले में अनुरोध पर एसीएस ने एमपीपीयूआरसी के चेयरमैन को परीक्षण करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा पूर्व में निर्धारित सीट संख्या के अतिरिक्त सीट में वृद्धि करने पर एमपीपीयूआरसी द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

खाली कारतूस को हाईकोर्ट ने हथियार नहीं माना

इंदौर। एयरपोर्ट पर खाली कारतूस के साथ पकड़ाए युवक के खिलाफ दर्ज एफआईआर को हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया है। न्यायालय का कहना है कि खाली कारतूस को हथियार नही माना जा सकता। युवक के बैग से एयरपोर्ट पर ये खाली कारतूस पकडे गए थे। न्यायालय ने कहा कि गोली चलने के बाद बचे कारतूस के ऐसे खोल में न तो कोई बारूद होती है, न विस्फोटक पदार्थ। हाईकोर्ट के इस फैसले से युवक को राहत मिली है।

यह मामला दरअसल दो महीने पुराना है।13 अक्टूबर 2022 को ष्टढ्ढस्त्र ने इंदौर एयरपोर्ट पर ताहेर टेलर निवासी खातीवाला टैंक के बेग से चेकिंग में दो खाली कारतूस बरामद किए थे। ष्टढ्ढस्त्र ने उससे पूछताछ की और बंदूक का लाइसेंस मांगा। ताहेर बंदूक का लाइसेंस पेश नहीं कर सके। इसके बाद एरोड्रम पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया। इसके बाद ताहेर ने कोर्ट में बताया कि वह कुवैत में पढ़ता है और वहां उसने एक शूटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। उसी दौरान उसने कारतूस के खोल अपने पास रखे थे, जो उसके बैग में ही रखे रह गए। हाई कोर्ट में याचिका लगाकर ताहेर ने स्नढ्ढक्रद्द करने की मांग की। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए ताहेर के पक्ष में फैसला सुनाया और एफआईआर रद्द करने के निर्देश दिए।

खाली कारतूस गोला-बारूद नहीं

हाईकोर्ट ने खाली कारतूसों को शस्त्र अधिनियम के उद्देश्य के लिए 'गोला-बारूद' नहीं माना। शस्त्र नियम, 2016 के नियम 2(12) का उल्लेख करते हुए जस्टिस सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि खाली कारतूसों को अधिक से अधिक मामूली गोला-बारूद माना जा सकता है, जिसको रखने पर शस्त्र अधिनियम की धारा 45 (डी) के तहत किसी भी सजा से छूट दी गई है। आवेदक के वकील का कहना था कि खाली कारतूस 'गोला-बारूद' की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते।

चैन होंग साइक (सुप्रा) के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के एक फैसले कहा गया था कि जिंदा कारतूस मामूली गोला-बारूद है। इसलिए, खाली कारतूसों को 'गोला-बारूद' के मामूली हिस्से के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, जिसे विशेष रूप से शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 45 के उप-खंड (डी) के तहत छूट दी गई है। जिसे रखना उक्त अधिनियम के तहत दंडनीय नहीं है।

आवेदक इसलिए हाईकोर्ट आया

आवेदक ने न्यायालय के समक्ष मामला प्रस्तुत किया कि खाली कारतूस गोला बारूद की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते। आर्म्स एक्ट और आर्म्स रूल्स 2016 के तहत प्रावधानों पर भरोसा करते हुए यह दावा किया गया था कि खाली कारतूस भी कार्ट्रिज शब्द के दायरे में नहीं आएं। हाईकोर्ट से अनुरोध किया गया कि आवेदक के खिलाफ स्नढ्ढक्रको रद्द कर दिया जाए। पक्षकारों के प्रस्तुतीकरण और रिकॉर्ड पर मौजूद दस्तावेजों की जांच करते हुए, अदालत ने आवेदक द्वारा दिए गए तर्कों में सत्यता पाई। न्यायालय ने कहा कि एक खाली कारतूस को गोला-बारूद की श्रेणी में नहीं लाया जा सकता। आर्म्स एक्ट की धारा 2 के तहत भी यह गोला-बारूद नहीं है। इन तथ्यों के बाद कोर्ट ने टिप्पणी दी कि आवेदक के खिलाफ स्नढ्ढक्र और बाद की कार्यवाही को रद्द कर दिया जाए।

राजधानी में क्रिसमस पर्व की तैयारियां अंतिम चरण में।

एमपीपीयूआरसी:एक बार फीस तय कराने के बाद निजी विवि को हर साल मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी

भोपाल। मध्यप्रदेश प्राइवेट यूनिवर्सिटी रेगुलेटरी कमीशन (एमपीपीयूआरसी) द्वारा निजी विश्वविद्यालयों में संचालित अंडर ग्रेजुएशन (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) सहित विभिन्न प्रोग्राम्स के लिए निर्धारित फीस हमेशा के लिए लागू रहेगी। निजी विश्वविद्यालयों द्वारा एमपीपीयूआरसी से हर साल अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। यदि कोई विश्वविद्यालय अपनी फीस परिवर्तित कराना चाहता है तो वो वह फीस की समीक्षा के लिए एमपीपीयूआरसी में आवेदन कर फीस की समीक्षा करा सकेगा।

यह बात हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग के एसीएस शैलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में निजी विश्वविद्यालयों के चांसलर्स की बैठक के मिनिट्स जारी होने पर सामने आई। वहीं भारत सरकार द्वारा निर्धारित मंहगाई दर (इनफ्लेशन रेट) को ध्यान में रखते हुए आगामी वर्ष में उतनी फीस बढ़ाने के मामले में अनुरोध पर एसीएस ने एमपीपीयूआरसी के चेयरमैन को परीक्षण करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा पूर्व में निर्धारित सीट संख्या के अतिरिक्त सीट में वृद्धि करने पर एमपीपीयूआरसी द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

खर्चे अमान्य किए जाने पर उसका आधार यूनिवर्सिटी को बताना होगा

निजी विश्वविद्यालयों द्वारा फीस की समीक्षा के लिए प्रवेशित छात्र संख्या को आधार माना जाए और खर्चों की गणना में विवि द्वारा की गई सांस्कृतिक एवं खेलकूद संबंधित गतिविधियों को मान्य किए जाने का प्रस्ताव रखा था। मामले में एमपीपीयूआरसी विचार करेगा। एमपीपीयूआरसी द्वारा खर्चे अमान्य किए जाने पर उसका आधार विश्वविद्यालयों को बताना होगा। अभी सीट के टोटल इंटेक के आधार पर फीस तय होती है।

EMRS राष्ट्रीय खेलों आंध्र प्रदेश में मध्यप्रदेश का परचम, राज्य पाल से आज मिलेंगे खिलाड़ी कोच मेनेजर

भोपाल। आंध्र प्रदेश में श्वस्त्रस्त्र राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के खिलाड़ियों शूटिंग, स्विमिंग, टेबल टेनिस 22 राज्यों में तीसरा स्थान प्राप्त किया । आंध्र प्रदेश में खेले गए राष्ट्रीय ओवर ऑल चैंपियन शिप में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने परचम लहराया है उन्होंने शूटिंग, स्विमिंग, टेबल टेनिस ,में 35 गोल्ड, 43 सिल्वर, 62 ब्रांज मेडल प्राप्त कर देश के 22 राज्यों में तीसरा स्थान प्राप्त कर जलवा कायम रहा आज सभी खिलाड़ियों राजधानी भोपाल पहुंचेंगे।

गौर तलब है मध्यप्रदेश एकलव्य मॉडल रेसीडेंशियल स्कूल श्वस्त्रस्त्र टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने गुंटूर विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश 15 दिसंबर को स्पेशल वातानुकूलित ट्रेन को प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग पल्लवीजैन गोविल ने विदा किया हरी झंडी दिखा कर विदा किया था । जिसमे 450 खिलाड़ी छात्र और 56 ऑफिशियल लगभग 506 सदस्यीय दल गए थे ।

2019 में दूसरी नेशनल मीट मध्यप्रदेश ओवर आल चैंपियन शिप रहा था दल के नोडल अधिकारी जी एस साहू , जनजातीय कार्य विभाग भोपाल से सीओ काजी जी ,शकील कुरेशी और जे पी हॉस्पिटल से 2 डॉक्टर साथ गए थे विभिन्न विधाओं के 49 कोच मेनेजर साथ में गए थे जिसमें जसविंदर सिंह अहलु वालिया बॉक्सिंग, एथलेटिक्स प्रशांत नामदेव, जितेंद्र परिहार,थे कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह सरौता ने किया और समापन आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पीढिका राजन दौरा ने किया जानकारी दल में शामिल एथलेटिक्स कोच हीरानंद नरवरिया ने दी।

बसंत गृह निर्माण सहकारी समिति को अंतिम अवसर

भोपाल। उप पंजीयक सहकारिता भोपाल विनोद सिंह ने बसंत गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल के अध्यक्ष एवं संचालक मंडल को कारण बताओ सूचना पत्र सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत सुनवाई हेतु अंतिम अवसर दिया है। उपायुक्त ने बताया कि संस्था को पूर्व में भी तीन अवसर प्रदान किए गए थे किन्तु नियत दिनांकों पर संस्था की ओर से न तो कोई उपस्थिति हुआ और न ही कोई लिखित उत्तर प्रस्तुत किया गया है।

उप पंजीयक सहकारिता विनोद कुमार ने बताया कि समिति को अंतिम अवसर प्रदान करने के लिए 29 दिसंबर 2022 का समय नियत किया है। नियत दिनांक पर कार्यालय उपायुक्त सहकारिता, डी-ब्लॉक पुराना सचिवालय, जिला भोपाल में समय दोपहर 12:00 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष समर्थन, मय दस्तावेजो सहित एंव उत्तर प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें।उन्होंने बताया कि अनुपस्थिति की दशा मे एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

सरकार ने दिया 80 करोड़ गरीबों को न्यू ईयर का गिफ्ट, अब साल भर मिलेगा फ्री राशन

नई दिल्ली। देश के गरीबों को केंद्र सरकार ने न्यू ईयर गिफ्ट दिया है। सरकार ने देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों को पूरे साल फ्री राशन देना जारी रखने का ऐलान किया है। नए साल पर गरीबों को एक भी रुपया राशन के लिए नहीं खर्च करना होगा। नेशनल फूड

सिक्योरिटी एक्ट के तहत गरीबों को राशन देने का प्रावधान किया गया है। इस योजना पर केंद्र सरकार सालाना 200 करोड़ रुपये के करीब खर्च कर रही है। शुक्रवार को पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में खाद्य सुरक्षा कानून के तहत यह फैसला लिया गया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि गरीबों को मुफ्त राशन देने पर सरकार पर 2 लाख करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा।

क्या है पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना?- नेशनल फूड सिक्युरिटी एक्ट के लागू होने के बाद कोरोना काल में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को शुरू किया था। इस योजना के तहत सभी राशन कार्ड धारकों को मौजूदा राशन के मुकाबले 2 गुना राशन दिया जा रहा है। यह अतिरिक्त दिए जाने वाला अनाज बिल्कुल फ्री में दिया जा रहा है। इस योजना के तहत कार्ड में अंकित हर सदस्य को 5 किलो गेहूं या चावल दिया जा रहा है। इसके अलावा हर कार्ड पर 1 किलो चना या दाल भी मुफ्त मिल रहा है। कोरोना काल के बाद केंद्र सरकार लगातार इस फ्री अनाज योजना को बढ़ा रही है। बीते सितंबर महीने में केंद्र सरकार ने इस योजना को तीन महीने के लिए बढ़ाया था। इस साल के खत्म होने पर यह योजना खत्म हो रही थी लेकिन केंद्र सरकार ने नए साल पर गरीबों को तोहफा के रूप में इस योजना को एक्सटेंड कर दिया है। हालांकि, केंद्रीय वित्त मंत्रालय फ्री अनाज योजना को लेकर लगातार दबाव में है। सरकार के खजाने पर इस योजना की वजह से अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। लेकिन देश में गरीबों की स्थिति को देखते हुए मोदी सरकार इस योजना को लगातार बढ़ा रही है। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से इस योजना में बढ़े हुए गरीबों को भी जोड़ने और सभी पात्रों को फ्री अनाज देने संबंधी जानकारी मांगी थी।

कोरोना का भय, दो दिन में पांच गुना बढ़ गए सतर्कता डोज लगवाने वाले लोग

भोपाल। चीन-जापान में कोरोना के मामले बढ़ने और देश में कोरोना के नए वैरिएंट के मामले सामने आने लगे हैं। कोरोना की आहट के बाद एक बार फिर टीकाकरण केंद्रों पर सतर्कता डोज लगवाने वालों की संख्या बढ़ गई है। बीते दो दिन में सतर्कता डोज लगवाने वालों की संख्या प्रदेशभर में पांच गुना बढ़ी है। यह स्थिति तब है जब केंद्रों पर सिर्फ को-वैक्सीन ही उपलब्ध है, जबकि प्रदेश में 80 फीसदी लोगों ने कोवीशील्ड वैक्सीन लगवाई है।

बता दें कि प्रदेश में कोवीशील्ड के अब तक 10 करोड़ से ज्यादा डोज लगाए जा चुके हैं। वहीं को-वैक्सीन के महज 2.31 करोड़ डोज लगे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कोवीशील्ड वैक्सीन

उपलब्ध होगी तो केंद्रों पर हर दिन 10 हजार से ज्यादा डोज लगने लगेंगे। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने भी केंद्र सरकार से वैक्सीन के अतिरिक्त डोज की मांग की है। राज्य टीकाकरण अधिकारी डा. संतोष शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में फिलहाल कोवीशील्ड उपलब्ध नहीं है। को-वैक्सीन के 1.5 लाख बचे हुए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से वैक्सीन उपलब्ध कराने को कहा है।

पौने पांच करोड़ ने नहीं लगवाया बूस्टर डोज- केंद्र सरकार के कोविन पोर्टल के मुताबिक प्रदेश में अब करीब छह करोड़ लोग कोरोना वैक्सीन की फर्स्ट डोज और 5.92 करोड़ लोग सेकंड डोज लगवा चुके हैं। अब तक सिर्फ 1.36 करोड़ लोगों ने ही बूस्टर या प्रिकाशन डोज लगवाया है। यानि प्रदेश में करीब 4.71 करोड़ लोग अब भी बूस्टर डोज से दूर हैं।